www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता, मतदान के अधिकार को अलग करके नहीं देखा जा सकता
कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ युद्धविराम की घोषणा की 06

वर्ष :17 | अंक :118 | प्रयागराज ,मंगलवार 29 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में 16 महीनों में 981 किसानों ने की आत्महत्या, भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे पर लगाया आरोप

कर्नाटक में 2024 से 2025 के मध्य तक 981 किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 825 की पुष्टि योग्य किसान आत्महत्याओं के रूप में हुई है, जबकि 138 अन्य कारणों से हुई हैं। राज्य सरकार ने अब तक 807 परिवारों को मुआवजा दिया है। 18 मामलों में, मुआवजा अभी भी लंबित है। सभी ज़िलों में हावेरी में सबसे ज्यादा 128 किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। मैसूरु में 73, धारवाड़ में 72 और बेलगावी में 71 किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। इसके विपरीत, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, उडुपी और कोलार से किसी भी किसान आत्महत्या की सूचना नहीं मिली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने किसानों की बढ़ती दुर्दशा के लिए कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि किसानों में यह दहशत कांग्रेस सरकार की लापरवाही की वजह से है। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से कृषि क्षेत्र में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, किसानों को लाभ पहुँचाने वाली योजनाएँ बंद कर दी गईं।

दिल्लीवालों की सेहत के लिए एमसीडी का बड़ा कदम, डेंगू-मलेरिया से निपटने को 3 अस्पताल अलर्ट

डेंगू दुनिया भर के कई देशों में एक आम बीमारी है, जिनमें अमेरिका, अफ्रीका, मध्य पूर्व, एशिया और प्रशांत द्वीप समूह शामिल हैं। दुनिया की लगभग आधी आबादी, यानी लगभग 4 अरब लोग, डेंगू के जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं। जोखिम वाले क्षेत्रों में डेंगू अक्सर ज्वर संबंधी बीमारियों का एक प्रमुख कारण होता है। इन क्षेत्रों में डेंगू के प्रकोप की खबरें अक्सर आती रहती हैं। दिल्ली नगर निगम ने डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मद्देनजर तीन अस्पतालों को प्रहरी निगरानी केंद्र के रूप में नामित किया है तथा इन बीमारियों के मामलों में इस मौसम में वृद्धि को रोकने के लिए उपाय तेज कर दिये हैं। रविवार को, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने घोषणा की कि हिंदू राव अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल और कस्तूरबा अस्पताल में जरूरी इंतजाम कर उन्हें प्रहरी निगरानी अस्पतालों का दर्जा दिया गया है। इन अस्पतालों में मामलों में अपेक्षित वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए समर्पित बिस्तर और विशेष संसाधन उपलब्ध होंगे। शर्मा ने बताया कि हिंदू राव अस्पताल में 70, स्वामी दयानंद अस्पताल में 22 और कस्तूरबा अस्पताल में 75 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। उन्होंने कहा, दवाओं, अंतःशिरा द्रव्यों और प्लेटलेट समेत सभी आवश्यक चिकित्सा जरूरतें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायी गयी हैं।

कभी नहीं पूछा कि हमने कितने दुश्मन के विमान मार गिराए...

विपक्ष पर राजनाथ सिंह ने साधा निशाना

मानसून सत्र

▸▸संसद के मानसून सत्र के दौरान राजनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने कहा कि हर देश में, नागरिक विपक्ष और सरकार को अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ सौंपते हैं। सरकार की भूमिका नागरिकों के लिए काम करना है, और विपक्ष की भूमिका नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछना है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष पर निशाना साधा और ऑपरेशन सिंदूर पर शुरूआती बहस के दौरान गलत सवालों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। संसद के मानसून सत्र के दौरान राजनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने कहा कि हर देश में, नागरिक विपक्ष और सरकार को अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ सौंपते हैं। सरकार की भूमिका नागरिकों के लिए काम करना है, और विपक्ष की भूमिका नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछना है। विपक्ष के कुछ सदस्य पूछ रहे हैं कि हमारे कितने विमान मार गिराए गए? मुझे लगता है कि उनका सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि फाल्गाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया सैन्य अभियान सफल रहा। उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें कोई सवाल पूछना ही है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, और इसका उत्तर है, हाँ... अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा। इसका उत्तर है, हाँ। क्या आतंकवादियों के सरगनाओं को नष्ट किया गया? हाँ। अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो यह पूछें: क्या इस ऑपरेशन में हमारे किसी बहादुर सैनिक को कोई नुकसान पहुँचा? इसका उत्तर है, नहीं, हमारे किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुँचा...। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान को ऐतिहासिक बताते हुए, सिंह ने उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

क्या ट्रंप के कहने पर भारत ने युद्ध विराम स्वीकार किया... सपा सांसद रमाशंकर ने सीजफायर पर सरकार को घेरा

आपने रोका क्यों?
राजनाथ सिंह से राहुल गांधी ने पूछा

पहलगाम आतंकी हमले पर लोकसभा में राजनाथ सिंह के बयान के दौरान, राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने पर सवाल पूछा। रक्षा मंत्री ने जवाब दिया कि पाकिस्तान ने खुद युद्धविराम की मांग की थी और भारत ने अपने सभी सैन्य उद्देश्यों को पूरा कर लिया था, जिसमें आतंकवाद की नर्सरी को समाप्त करना शामिल था। संसद में जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने कैसे युद्धविराम पर सहमति जताई, तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी अचानक उठ खड़े हुए और पूछा, आपने रोका क्यों? यह बातचीत पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत की प्रतिक्रिया पर लोकसभा में विशेष बहस के दौरान हुई।

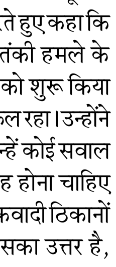

बैसरन में आतंकी कैसे घुसे, कांग्रेस का सरकार से सवाल
गौरव गोगोई बोले – पीओके अगर आज नहीं लेंगे, तो कब लेंगे?

गौरव गोगोई ने कहा कि पूरा देश और विपक्ष पीएम मोदी का समर्थन कर रहा था। अचानक 10 मई को हमें पता चला कि युद्ध विराम हो गया है। क्यों? हम पीएम मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आप रुके क्यों, और किसके सामने आत्मसमर्पण किया? ऑपरेशन सिंदूर पर बहस में बोलते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में कहा कि राजनाथ सिंह ने बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने कभी उल्लेख नहीं किया कि कैसे

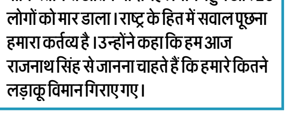

पाकिस्तान से आतंकवादी पहलगाम पहुंचे और 26 लोगों को मार डाला। राष्ट्र के हित में सवाल पूछना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम आज राजनाथ सिंह से जानना चाहते हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराए गए।

चिदंबरम बोले-कैसे पता चला कि पहलगाम आतंकी पाकिस्तान से आए

एनआईए के पास इसका क्या सबूत; हमलावर देश के भी तो हो सकते हैं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम का पहलगाम हमले पर 2 दिन पहले दिए बयान पर विवाद हो गया है। उन्होंने कहा था कि कैसे पता कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे। कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान संसद में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा के कुछ घंटे पहले आया।

एजेंसी

चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा, वे (एनआईए) यह बताने को तैयार नहीं हैं कि इन हफ्तों में उन्होंने क्या किया? क्या ठकअ ने आतंकवादियों की पहचान की है या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे। इसका कोई सबूत नहीं है।'इधर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा- कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की जल्दी की है। जब भी हमारी सेना पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती है। कांग्रेस के नेता इस्लामाबाद के वकील ज्यादा लगते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कांग्रेस हमेशा दुश्मन को बचाने में जुट जाती है। पी चिदंबरम के बयान पर भाजपा नेताओं के रिएक्शन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- कांग्रेस अब गद्दार संगठन बन चुकी है। आज जो कांग्रेस अपनी आजादी की लड़ाई में भागीदारी पर गर्व करती है, उसकी क्या हैसियत रह गई है। राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करते हैं। इनके ऊपर भारी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इन्होंने देश को बेचने की ठान ली थी।

पी चिदंबरम के इंटरव्यू की बड़ी बातें...

- प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहे: सरकार सवालों से क्यों बच रही है। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। आपको क्या लगता है कि लोकतंत्र के मंदिर में बहस करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों है?
- सरकार को बताना चाहिए युद्धविराम कैसे हुआ: कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या सरकार इस बात से असहज है कि उनसे पूछा जाएगा कि युद्धविराम कैसे हुआ क्योंकि सच कहूं तो इसकी घोषणा भारत सरकार ने नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी।

या तो ट्रंप को चुप कराओ या भारत में मैकडॉनल्ड्स बंद करो...
दीपेंद्र हुड्डा का मोदी सरकार को दो टूक

एजेंसी

नयी दिल्ली। सदन में ऑपरेशन सिन्दूर पर बोलते हुए कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि डोनाल्ड (ट्रम्प) को चुप कराओ, डोनाल्ड का मुंह बंद कराओ या फिर हिंदुस्तान में मैकडॉनल्ड्स को बंद कराओ। दीपेंद्र हुड्डा ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबसे बड़ी रणनीतिक भूल तब हुई जब विदेश मंत्री ने कहा कि हम सैन्य या नागरिक बुनियादी ढाँचे को निशाना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बयान देकर सरकार ने पाकिस्तानी सेना और सरकार को क्लीन चिट दे दी। हुड्डा ने आगे कहा कि आपने बार-बार कहा है, और दुनिया भी मानती है।

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा समेत 3 आतंकी ढेर

पाकिस्तान की स्पेशल सर्विस ग्रुप का कमांडो रह चुका; सेना ने ऑपरेशन महादेव में मार गिराया

मूसा पिछले साल श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग पर जेड-मोड़ सुरंग के निर्माण में शामिल सात लोगों की हत्या में भी शामिल था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने इस अभियान का नेतृत्व किया। आतंकवादियों के ठिकाने से लगभग 17 ग्रेनेड, एक एम4 कार्बाइन और दो एके-47 राइफलें बरामद की गई।

एजेंसी

आतंकवाद-रोधी एक बड़ी सफलता में, भारतीय सेना के विशेष बलों ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा को मार गिराया। सीमा पार आतंकी नेटवर्क से जुड़े एक प्रमुख आतंकवादी मूसा को हफ्तों के समन्वित खुफिया प्रयासों के बाद एक उच्च-तीव्रता वाले अभियान में मार गिराया गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के दाचीगाम के पास हरवान के घने जंगलों में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए। मूसा पिछले साल श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग पर जेड-मोड़ सुरंग के निर्माण में शामिल सात लोगों की हत्या में भी शामिल था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने इस अभियान का नेतृत्व किया। आतंकवादियों के ठिकाने से लगभग 17 ग्रेनेड, एक एम4 कार्बाइन और दो एके-47 राइफलें बरामद की गईं। श्रीनगर के दाचीगाम इलाके में माउंट महादेव के पास सशस्त्र बलों को तीन विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सूत्रों के अनुसार, ₹महादेव₹ नाम संभवतः इसलिए दिया गया क्योंकि यह अभियान जबरवान और महादेव पर्वत श्रृंखलाओं के बीच हुआ था। सूत्रों ने बताया कि जुलाई की शुरूआत में दाचीगाम के जंगल में सेना ने एक संदिग्ध संचार को पकड़ा था, जिसके बाद लश्कर और जैश के आतंकवादियों के एक संयुक्त समूह पर 14 दिनों तक कड़ी नजर रखी गई। इस जानकारी की पुष्टि स्थानीय खानाबदोशों ने भी की, जिन्होंने आतंकवादियों के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद, सेना की कई टीमें इलाके में भेजी गईं।

ऑपरेशन महादेव की बड़ी बातें...

- पहलगाम हमले के आतंकवादियों ने जिन उपकरणों का इस्तेमाल किया था, उस से मिलते-जुलते एक तकनीकी संकेत के बाद हरवान के जंगलों में अभियान शुरू किया।
- लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने तीन आतंकवादियों का पता लगाया और उन पर अचानक हमला कर दिया।

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला; भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को भी हराया

महाराष्ट्र की दिव्या ने सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी को 1.5-0.5 से हराया से। दिव्या ने पहले गेम में सफेद मोहरों से खेलते हुए 101 चालों में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने बीच गेम में लगातार दबाव बनाकर झोंगयी को गलतियां करने पर मजबूर किया। क्वीन की अदला-बदली के बाद भी दिव्या की स्थिति मजबूत थी, हालांकि झोंगयी ने एक समय वापसी की कोशिश की और बढ़त ले ली। लेकिन समय की कमी में झोंगयी ने गलत चाल चली, जिसका फायदा उठाकर दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ जीत हासिल करने में सफल रहीं।

एजेंसी

फिडे शतरंज महिला वर्ल्ड कप 2025: आज खेले गये रैपिड राउंड में दिव्या देशमुख ने सफेद मोहरों के साथ आक्रामक शुरूआत की। हंपी ने काले मोहरों से खेलते हुए मैच को ड्रॉ करवाया और मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली। रैपिड राउंड के दूसरे गेम में काले मोहरों से खेलती हुई दिव्या देशमुख शुरूआत से हावी रहीं। कोनेरू रैपिड राउंड के दूसरे गेम में गलती की और दिव्या ने उसका फायदा उठाया। दिव्या ने टाईब्रेक में हंपी को 1.5-0.5 के स्कोर से हराया। इस जीत के साथ अब वह 88वीं भारतीय ग्रैंडमास्टर बन गई हैं।

दिव्या देशमुख की जीत पर पीएम मोदी का रिएक्शन

प्रधानमंत्री मोदी ने फिड चेस वर्ल्ड कप फाइनल में दिव्या देशमुख की जीत पर अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया. पीएम मोदी ने लिखा कि 'दो शानदार भारतीय शतरंज खिलाड़ियों के बीच एक ऐतिहासिक फाइनल'. पीएम ने आगे लिखा कि 'युवा दिव्या देशमुख के वूमेंस वर्ल्ड चैंपियन 2025 बनने पर गर्व है. इस शानदार जीत के लिए उन्हें बधाई, जो कई युवाओं को प्रेरित करेगी'. पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि 'कोनेरू हम्पी ने भी पूरी चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन किया. मैं दोनों खिलाड़ियों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं'.

'लोकतंत्र पर वार' एसआईआर के खिलाफ विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

खड़गे, राहुल, सोनिया और अखिलेश भी हुए शामिल

प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दशार्ता है।

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेता सोमवार को मतदाता सूची के विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन में सभी विपक्षी दलों ने भाग लिया, नेताओं ने लोकतंत्र पर वार लिखे बैनर और स्टॉप सर लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिसमें सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया गया। प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दशार्ता है। इस बीच, संसद के चल रहे मानसून सत्र में अपनी ताकत दिखाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल सभी सहयोगी दलों के सांसदों को बुलाया है।

जस्टिस वर्मा कैश कांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बड़ी सुनवाई

कपिल सिब्बल से लेकर लूथरा तक मैदान में दिग्गज वकीलों की फौज

▸▸न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने याचिका की रूपरेखा और न्यायाधीश के आचरण पर तीखे सवाल उठाए। याचिका में आंतरिक पैनल के निष्कर्षों और तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की सिफारिश को अमान्य ठहराने की मांग की गई है। यह घटना 14-15 मार्च, 2024 की है, जब दिल्ली पुलिस को न्यायाधीश के सरकारी बंगले के अंदर अधजली नकदी मिली थी।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई शुरू की। न्यायमूर्ति वर्मा ने आंतरिक न्यायिक जाँच के निष्कर्षों को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर अधजले नोट मिलने के संबंध में कदाचार का दोषी ठहराया गया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने याचिका की रूपरेखा और न्यायाधीश के आचरण पर तीखे सवाल उठाए।

आंदोलन | बोलीं- अपनी अस्मिता और मातृभाषा को नहीं भूल सकते

टैगोर की धरती से ममता ने छेड़ा 'दूसरा भाषा आंदोलन'

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी अस्मिता, मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मजदूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते। भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च टूरिस्ट लॉज चौराहे से शुरू हुआ और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ। हाथ में टैगोर का चित्र लिए हुए ममता ने सड़क के दोनों ओर खड़ी भीड़ का अभिवादन करते हुए रैली का नेतृत्व किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रतुल मुखोपाध्याय का प्रतिष्ठित विरोध गान अमी बांग्लाय गान गाई गाया, जबकि सफेद और लाल साड़ियां पहने महिलाओं ने शंख बजाया, जिससे रैली में एक विशिष्ट बंगाली संस्कृति का रंग भर गया। ममता ने अपनी जानी-पहचानी सूती साड़ी और शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती का पारंपरिक दुपट्टा पहन रखा था। उनके साथ वरिष्ठ तृणमूल नेता और मंत्री थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टैगोर की भूमि और बंगाल के सांस्कृतिक केंद्र बोलपुर को चुना जाना एक गहरे प्रतीकात्मक महत्व को दशार्ता है। ममता ने पिछले हफ्ते तृणमूल कार्यकताओं से 28 जुलाई से एक नए आंदोलन के लिए तैयार रहने की अपील की थी और उन्होंने इसे दूसरा आंदोलन कहा था, जो ढाका (तब पूर्वी पाकिस्तान में) में 1952 के ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन के समान है, जहां छात्रों ने बांग्ला को पाकिस्तान की आधिकारिक के रूप में मान्यता देने की मांग करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

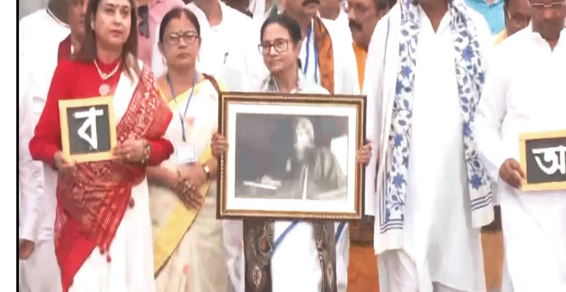

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाली प्रवासियों पर हमलों के खिलाफ भाषा आंदोलन की शुरूआत की, अपनी अस्मिता और मातृभाषा को न भूलने का आह्वान किया। रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि बोलपुर में हुए इस प्रतीकात्मक विरोध मार्च को उन्होंने 1952 के ऐतिहासिक ढाका भाषा आंदोलन से जोड़ा। यह पहल बंगाली पहचान और सांस्कृतिक विरासत पर जोर देती है।

अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें, वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनके समेत 11 आरोपियों पर आरोप तय किए हैं। खान पर 2016 में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए सीईओ और अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की अवैध नियुक्ति में साजिश और भ्रष्टाचार का आरोप है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड में सीईओ और अन्य दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। वक्फ बोर्ड के पूर्व सीईओ खान पर साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) दिग विनय सिंह ने अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम के खिलाफ साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप तय किए। अन्य नौ आरोपियों पर अदालत ने साजिश के अपराध का आरोप लगाया है। उक्त अवधि के दौरान, इन नियुक्तियों के समय, आप विधायक 2016 में बोर्ड के अध्यक्ष थे। आरोप पर विस्तृत आदेश अभी अदालत द्वारा अपलोड किया जाना बाकी है। अदालत ने सभी आरोपियों, अमानतुल्लाह खान, महबूब आलम, हामिद अख्तर, किफायतुल्लाह खान, रफीउल्लाह खान, इमरान अली, मोहम्मद अहरार, अकीब जावेद, अजहर खान, जाकिर खान और अब्दुल मन्नार को आरोप पढ़कर सुनाए। किसी भी आरोपी ने न तो अपना दोष स्वीकार किया और न ही मुकदमे की मांग की।

सम्पादकीय

बाजार संभावनाओं को भुनाने का मौका, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है

भारत के खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण का अभाव है। अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से 12 से 14 प्रतिशत तक खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है। कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। देश में लोगों की बढ़ती आमदनी, शहरीकरण के कारण बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों में परिवर्तन के कारण भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का बाजार आकार तेजी से बढ़ रहा है। हाल में डेलायट और फिक्की द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर एक रिपोर्ट जारी की गई। इसके मुताबिक देश में परिवारों के खाद्य बजट का वित्त वर्ष 2000-01 में अनाज और दालों पर 40 प्रतिशत खर्च किया जाता था, वह वित्त वर्ष 2023-24 में यह खर्च घटकर महज 14 प्रतिशत पर पहुंच गया। देश में खानपान तो लगभग हर आय वर्ग का बदला है, लेकिन शहरी संपन्न वर्ग अब अपने मासिक खाद्य बजट का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पैकेज्ड फूड, बाहर खाने और डिलीवरी पर खर्च कर रहा है। ग्रामीण भारत में भी इसी तरह का बदलाव दिख रहा है। ग्रामीण खपत अनाज से पेय पदार्थों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ रही है। रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार कृषि उत्पाद जब तैयार भोजन का रूप लेता है तो उसके मूल्य में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होती है। पीएचडी चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण बाजार का आकार वर्ष 2023 में करीब 307 अरब डालर था, इसके वर्ष 2030 तक करीब 700 अरब डालर पर पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात बढ़कर वर्ष 2030 तक 125 अरब डालर होने की उम्मीद है। इसे देखते हुए भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार शुरू किए हैं। भारत खाद्य प्रसंस्करण में सौ प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारीकरण, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ) जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। पिछले दस वर्षों में भारत को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का एफडीआइ प्राप्त हुआ है। इस दौरान हमारी खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना बढ़कर दो सौ लाख टन से अधिक हो गई है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत- डेरी, फल एवं सब्जी, अनाज, मांस, मछली एवं पोल्ट्री तथा उपभोक्ता वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ आते हैं।

आज का विचार

दुःख भी बड़ी अजीब चीज़ है
जब खुद पर बीतती है तो 'सच' लगता
और दूसरों पर बीतती है तो 'ड्रामा'

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि: करियर: प्रशासनिक क्षेत्र में पदोन्नति के योग हैं. पुराने रुके काम पूरे होंगे. बिजनेस: व्यापार में आर्थिक उन्नति होगी और प्रॉपर्टी में निवेश लाभकारी रहेगा. धन: आय में वृद्धि होगी, रुका पैसा वापस मिलेगा. शिक्षा: नए विषयों में रुचि बढ़ेगी और पढ़ाई में फोकस रहेगा. लव/ पारिवारिक: परिवार में सामंजस्य रहेगा, पत्नी और बच्चों के साथ लंबी यात्रा संभव.

वृषभ राशि: करियर: कार्यक्षेत्र में आपके कार्य की प्रशंसा होगी. अधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे. बिजनेस: निवेश करना लाभकारी रहेगा. धन: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. शिक्षा: छात्रों को मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिक: पत्नी से मतभेद की संभावना. उपाय: मां दुर्गा को लाल फूल अर्पित करें.

मिथुन राशि : करियर: कार्यक्षेत्र में बदलाव से बचें. बिजनेस: पार्टनरशिप में सावधानी बरतें. धन: धन हानि की संभावना. शिक्षा: पढ़ाई में फोकस बनाए रखें. लव/पारिवारिक: विरोधी वर्ग परेशान कर सकते हैं. उपाय: गणेश जी को मोदक अर्पित करें.

कर्क राशि: करियर: अधिकारियों से मतभेद बढ़ सकते हैं. बिजनेस: व्यापार में रुकावटें आ सकती हैं. धन: अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है. शिक्षा: पढ़ाई में मन भटक सकता है. लव/पारिवारिक: पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता होगी. उपाय: शिवलिंग पर जल चढ़ाएं.

सिंह राशि: करियर: काम में सफलता मिलेगी और पदोन्नति संभव है. बिजनेस: व्यापार में लाभ होगा. प्रॉपर्टी निवेश शुभ रहेगा. धन: आय में बढ़ोतरी होगी. शिक्षा: पढ़ाई में फोकस रहेगा. लव/पारिवारिक: परिवार में मांगलिक कार्य होंगे और नए मेहमान का आगमन संभव.

कन्या राशि : करियर: नए प्रोजेक्ट में सफलता मिलेगी. बिजनेस: व्यापार में आर्थिक लाभ होगा. धन: कर्ज से राहत मिल सकती है. शिक्षा: शिक्षा में प्रगति के योग. लव/पारिवारिक: भाई और परिवार का सहयोग मिलेगा. उपाय: तुलसी के पौधे की पूजा करें.

तुला राशि: करियर: लंबी यात्रा करनी पड़ सकती है. बिजनेस: प्रॉपर्टी से जुड़े कामों में परेशानी. धन: खर्च बढ़ सकता है. शिक्षा: पढ़ाई में ध्यान बनाए रखें. लव/पारिवारिक: पत्नी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. उपाय: माता दुर्गा को सिंदूर चढ़ाएं.

वृश्चिक राशि: करियर: नौकरी में अधिकारियों से संबंध अच्छे रखें. बिजनेस: नया काम शुरू करते समय विचार करें. धन: आय स्थिर रहेगी. शिक्षा: पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी. लव/पारिवारिक: परिवार के आंतरिक मामलों को सुलझाएंगे. उपाय: भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाएं.

धनु राशि : करियर: नया कार्य शुरू करने में सफलता मिलेगी. बिजनेस: व्यापार में लाभ होगा. धन: रुका धन प्राप्त होगा. शिक्षा: पढ़ाई में उत्साह बढ़ेगा. लव/पारिवारिक: मान-सम्मान बढ़ेगा और नए वाहन खरीदने के योग. उपाय: भगवान विष्णु की पूजा करें.

मकर राशि: करियर: वाद-विवाद से दूर रहें. बिजनेस: व्यापार में नुकसान हो सकता है. धन: अनावश्यक खर्च बढ़ेगा. शिक्षा: पढ़ाई में व्यवधान संभव. लव/पारिवारिक: पैतृक संपत्ति को लेकर झगड़ा हो सकता है. उपाय: शनि देव को तिल का तेल चढ़ाएं.

कुंभ राशि: करियर: कोर्ट कचहरी के मामले में फंस सकते हैं. बिजनेस: बड़ा निवेश करने से बचें. धन: व्यापार में हानि की संभावना. शिक्षा: ध्यान भटक सकता है.

मीन राशि : करियर: अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा. बिजनेस: नया काम शुरू करने की योजना सफल होगी. धन: आर्थिक स्थिति बेहतर होगी. शिक्षा: पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी. लव/ पारिवारिक: ससुराल पक्ष से मतभेद हो सकते हैं. उपाय: केले के पेड़ की पूजा करें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता, मतदान के अधिकार को अलग करके नहीं देखा जा सकता

> चुनाव आयोग को बिल्कुल ऐसा ही करना चाहिए कि वह प्रत्येक कानूनी कसौटी के अनुसार आगे बढ़े। इस संदर्भ में उसे अपेक्षित अधिकार भी मिल हुए हैं। अनुच्छेद 326 से लेकर निर्वाचन संबंधी कानून यह स्पष्ट करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। चुनाव आयोग अपने इस कर्तव्य से बंधा हुआ है।

पा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक मोर्चे पर तकरार जारी है। तकरार में एक मुद्दा नागरिकता और मताधिकार का भी है। आज सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई भी होनी है। राजनीतिक कोलाहल से इतर देखा जाए तो यह संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके गहरे निहितार्थ हैं, क्योंकि संविधान यह प्रविधान करता है कि 25 साल से अधिक का कोई मतदाता देश के किसी भी हिस्से से विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है। इसलिए यह चुनाव आयोग का दायित्व बन जाता है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति मतदाता न बनने पाए जो भारत का नागरिक न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग को संविधान ने पर्याप्त अधिकार भी दिए हैं। अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को निर्वाचक नामावली के रखरखाव तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से निर्वाचनों के संचालन की शक्ति देता है और उसके कार्यों को परिभाषित करता है। वहीं, अनुच्छेद 326 में यह उपबंध है कि लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के निर्वाचन, वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे, भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु इस संबंध में विधि द्वारा यथानिर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम न हो और जो अन्यथा अयोग्य घोषित न किया गया हो, ऐसे किसी भी निर्वाचन में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा। नागरिकता का यही संदर्भ जनप्रतिनिधि

अधिनियम, 1950 की धारा 16 में है। इसके अनुसार जो व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं, वह मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का भी पात्र नहीं। इस तरह संविधान और संसद द्वारा पारित निर्वाचन संबंधी कानून दोनों स्पष्ट रूप से यह प्रविधान करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक को ही मतदान का अधिकार मिल सकता है। जनप्रतिनिधि कानून की धारा 14 यह भी निर्धारित करती है कि जहां तक मतदाता सूची को तैयार करने का सवाल है तो यह कवायद संबंधित वर्ष की जनवरी, अप्रैल, जुलाई या अक्टूबर से शुरू की जा सकती है। धारा 21 चुनाव आयोग को लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनाव से पहले उपयुक्त तिथि के संदर्भ में अपेक्षाओं के अनुरूप मतदाता सूची तैयार करने या उसे संशोधित करने का अधिकार प्रदान करती है। इसे देखते हुए मतदाता सूची से जुड़ी चुनाव आयोग की कवायद पर सवाल उठाना बेतुका ही कहा जाएगा। इसका विरोध करने वाले राजनीतिक दलों के तर्क गले नहीं उतरते। इस संदर्भ में एक बहुत दिलचस्प मामला है। यह मामला किसी और से नहीं, बल्कि खुद नेहरू–गांधी परिवार से जुड़ा है। इसमें गैर–भारतीय नागरिक के मतदाता बनने और फिर एक जागरूक नागरिक द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद उस नाम को मतदाता सूची से हटाना पड़ा था। यह जनवरी 1980 की बात है। दिल्ली में मतदाता सूची संशोधित की जा रही थी। उस संशोधन में सोनिया गांधी का नाम शामिल किया गया था, जबकि उस समय वे इटली की नागरिक थीं। उस समय जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 लागू था। उसके अंतर्गत सूची में शामिल होने के लिए मतदाता को अपना नाम, पता, जन्मतिथि की जानकारी के साथ यह उद्घोषणा भी करनी थी कि वह भारत का/की नागरिक है। इन दावों के सत्यापन के बाद ही चुनाव प्राधिकारी संस्था संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज करती थी। उस कानून में यह प्रविधान भी था कि किसी गलत दावे या गलत प्रतिनिधित्व के मामले में ऐसा करने वाले व्यक्ति को छह महीनों की कारावास तक हो सकती थी। सोनिया गांधी का मूल नाम एंटोनिया माइनो था। उनका विवाह 1968 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र राजीव गांधी से हुआ था। नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत आवेदन करने पर पांच साल बाद 1973 में वे भारत की नागरिक बन सकती थीं, लेकिन उन्होंने इसके लिए आवेदन ही नहीं किया। अपनी इतालवी नागरिकता के बावजूद नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी के साथ उनका नाम भी जोड़ दिया गया था। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत के बाद इंदिरा गांधी ने राजीव गांधी को राजनीति में उतारा। चूंकि राजीव औपचारिक राजनीति में उतर गए थे और उस स्थिति में सोनिया के लिए अपनी इतालवी नागरिकता को कायम रखना विरोधियों के हाथों में एक मुद्दा थमा देता, इसलिए सोनिया गांधी ने अंततः 7 अप्रैल, 1983 को नागरिकता के लिए आवेदन किया और 30 अप्रैल, 1983 को उन्हें भारतीय नागरिकता मिल गई। हालांकि इससे पहले ही बिना भारतीय नागरिकता के उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था। इसे लेकर एक प्रबुद्ध नागरिक ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी और 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटाना पड़ा था। नागरिकता और मताधिकार के जिस विवाद के केंद्र में स्वयं सोनिया गांधी रहीं, उसे देखते हुए कांग्रेसियों का यह राग अलापना समझ नहीं आता कि नागरिकता के पहलू का मतदान अधिकार से कोई सरोकार नहीं होना चाहिए। समझ नहीं आता कि विपक्षी दलों के नेता बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की कवायद को लेकर क्यों आसमान सिर पर उठाए हुए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता–प्रतिपक्ष राहुल गांधी तो यहां तक कहने में लगे हैं कि चुनाव आयोग को भाजपा के निर्देश पर काम न करते हुए कानून के हिसाब से अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। चुनाव आयोग को बिल्कुल ऐसा ही करना चाहिए कि वह प्रत्येक कानूनी कसौटी के अनुसार आगे बढ़े। इस संदर्भ में उसे अपेक्षित अधिकार भी मिल हुए हैं। अनुच्छेद 326 से लेकर निर्वाचन संबंधी कानून यह स्पष्ट करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। चुनाव आयोग अपने इस कर्तव्य से बंधा हुआ है। वह ऐसी गुंजाइश बिल्कुल भी नहीं छोड़ सकता कि कोई गैर–भारतीय नागरिक मतदाता सूची का हिस्सा बन जाए।

क्या छात्र-छात्राओं की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता से शिथिल प्रशासनिक मिशनरी में कोई नई हलचल पैदा होगी?

कमलेश पांडेय

देश के शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं (स्टूडेंट्स) की आत्महत्या और उनमें बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) की समस्याओं पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने शुक्रवार को जो चिंता जताई है, वह अकारण नहीं है बल्कि इसके पीछे उन हजारों परिवारों और लाखों लोगों की बेदना छिपी हुई है जो ऐसे मामलों में अपने परिजनों को गंवा चुके है। इन घटनाओं में कोई बचपन में ही अनाथ हो गया तो कोई बुढ़ापे में बेसहारा। इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि क्या छात्र-छात्राओं की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता से शिथिल प्रशासनिक मिशनरी में कोई नई हलचल पैदा होगी? या फिर उसकी यह पहलकदमी भी नक्कारखाने में तूती की आवाज मानिंद दबी रह जायेगी। बता दें कि ऐसा बिल्कुल नहीं कि केंद्र व राज्य सरकारें इन घटनाओं से अनजान हैं, बल्कि उसने तो 1960 के दशक में ही इन मामलों में संजीदगी दिखाई और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 1966 से ही भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी करनी शुरू कर दिए। ततपश्चात आत्महत्या के कारणों और उससे बचने के उपायों पर ब्रेक के बाद आत्ममंथन किया गया लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात निकले और देश में आत्महत्या के मामलों में हाल के वर्षों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही वजह है कि गत दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए देश में कोई माकूल कानून नहीं है। बहरहाल इसे देखते हुए कोर्ट ने 15 गाइडलाइंस जारी की जो तब तक पूरे देश में लागू और बाध्यकारी होंगी, जब तक कि कोई स्पष्ट व पारदर्शी कानून

इस बारे में नहीं बन जाता है। कोर्ट के मुताबिक, ये दिशा निर्देश (गाइडलाइंस) सभी सरकारी, सार्वजनिक व प्राइवेट स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण और कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों (हॉस्टलों) पर लागू होंगी, चाहे वे किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय से संबद्ध हों। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने नीट (ठएएळ) की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में सुनवाई करते हुए ये गाइडलाइंस जारी की। साथ ही, छात्रा की मौत की सीबीआई से जांच कराने का भी आदेश दिया है। कोर्ट का यह कहना सही है कि जब तक तत्सम्बन्धी कानून नहीं बनेंगे, तब तक उसके नए दिशानिर्देश लागू रहेंगे। इसके अलावा मेंटल हेल्थ नीति भी सबके लिए बनानी होगी। उसने दो टूक कहा कि सभी शिक्षण संस्थान यूनिफॉर्म मेंटल हेल्थ पॉलिसी अपनाएंगे और इसे अपने सूचना पट और वेबसाइट पर जारी करेंगे। इसके अलावा, एक सौ से अधिक (100+) छात्रों वाले संस्थानो में मेंटल हेल्थ प्रफेशनल जैसे- ट्रेंड काउंसलर, सायकायट्रिस्ट को रखना होगा। इसके लिए वे दक्ष प्रफेशनल नियुक्त करें। इन्हें स्टूडेंट-काउंसलर अनुपात का भी ध्यान रखना होगा यानी इनके यहां छोटे छोटे बैचों में समर्पित काउंसलर नियुक्त हो, जिनसे एग्जाम में सहयोग मिल सके। वहीं, सुरक्षा उपाय भी करने होंगे जिसके तहत हॉस्टल की छतों, बालकनी और पंखों जैसी जगहों पर सुरक्षा उपकरण लगाने होंगे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि कोचिंग सहित सभी संस्थान अव्यवहारिक बैच विभाजन नहीं करें, खासकर प्रदर्शन के आधार पर। कहने का तातपर्य यह कि सभी संस्थान प्रदर्शन के आधार पर छात्रों को अलग अलग बैच में डालने से बचें क्योंकि इससे छात्रों में कुंठा की भावना पैदा होती है। इसके अलावा, कोर्ट ने किसी भी तरह के उत्पीड़न पर कठोर रुख अपनाया है और जाति, लिंग, धर्म, दिव्यांगता, की शिकायत का मेकेनिजम बनाने का निर्देश दिया है। खासकर यौन आधार पर उत्पीड़न के प्रयासों पर त्वरित संजीदगी दिखाने को कहा है। कोर्ट ने इमरजेंसी में हेल्प प्रदान करने की भी बात कही है और संस्थानों में अस्पताल, हेल्पलाइनों के नंबर स्पष्ट अक्षरों में प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सभी संस्थाओं के स्टाफ ट्रेनिंग पर जोर देते हुए सुझाव दिया है कि कर्मचारियों को साल में कम से कम दो बार ट्रेंड मेंटल हेल्थ प्रफेशनल से ट्रेनिंग दी जाए। इसके अलावा, अभिभावकों (पैरेंट्स) में भी जागरूकता लायी जाए। इस नजरिए से माता-पिता के लिए जागरूकता सेशन करें और उन्हें बच्चों में अत्यधिक प्रेशर न डालने को कहें। यदि यह सबकुछ कर लिया गया तो निःसन्देह ऐसी अप्रत्याशित घटनाएं रोकी जा सकती हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 के लिए भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी की थी जिससे जुड़ी एडीएसआई रिपोर्ट ही आत्महत्या से होने वाली मौतों पर देश में एकमात्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट है। बताते चलें कि 1966 में पहली बार प्रकाशित एडीएसआई की रिपोर्ट के बाद से आत्महत्या की दर में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। साल 2022 में तो आत्महत्या की दर 2021 से 4.2% बढ़कर 08 से 12.2 प्रतिशत 100,000 जनसंख्या (1,64,033 से 1,70,924) हो गई, जो 56 वर्षों में दर्ज की गई सर्वाधिक उच्चतम दर है। इसी वर्ष यानी 2022 में ही भारत सरकार ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति शुरू की, जो आत्महत्या रोकथाम के लिए एक देशव्यापी दृष्टिकोण को स्पष्ट करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस रणनीति में 2020 के आधार वर्ष की तुलना में आत्महत्या से होने वाली मौतों में 10% की कमी लाने का स्पष्ट लक्ष्य रखा गया है। हालाँकि, दर में तीव्र वृद्धि से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अंतर बढ़ गया है। इस वर्ष के आंकड़ों से कुछ उल्लेखनीय अवलोकन से पता चलता है कि आत्महत्या के पीछे उम्र, क्षेत्र और पेशे भी कारक बन रहे हैं, इसलिए छात्र जीवन से ही इन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जहां तक आत्महत्या और उम्र का सवाल है तो आंकड़े इस बात की चुगली करते हैं कि सभी आयु समूहों में आत्महत्या की दर औसतन 5 प्रतिशत बढ़ी है।

भारत डॉक्टरों और नर्सों का निर्यात कर रहा है, देश को उनकी भी जरूरत है

विजय गर्ग

देशों में स्वास्थ्य कार्यबल की मांग और आपूर्ति एक कठिन समस्या है, अधिकांश देशों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों और नर्सों की कमी है और 2030 तक 18 मिलियन स्वास्थ्य श्रमिकों की अनुमानित वैश्विक कमी है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता देशों में प्रवास करते हैं, प्रवाह आमतौर पर ग्लोबल साउथ के देशों से उत्तर में रहने वालों के लिए होता है। जिन देशों से स्वास्थ्य पेशेवर पलायन करते हैं, वे भी आंतरिक आपूर्ति की कमी का सामना करते हैं। उदाहरण के लिए, श्रीलंका व्यापक परित्याग का गवाह है, जिसे अन्य देशों के पेशेवरों को प्राप्त करके (आंशिक रूप से) संबोधित किया जाता है। अनुमानित 10-12 प्रतिशत विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टर और नर्स उन देशों से आते हैं, जिन्हें स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के लिए जाना जाता है। ओईसीडी डेटा अनुमान बताते हैं कि 2009 से 2019 के बीच, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन में 25 प्रतिशत से 32 प्रतिशत डॉक्टर और अमेरिका दक्षिण एशिया और अफ्रीका के मेडिकल ग्रेजुएट थे। भारतीय डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्य पेशेवर दुनिया भर के देशों में प्रवास करते हैं - लगभग 75,000 भारतीय प्रशिक्षित डॉक्टर ओईसीडी देशों में काम करते हैं, और अनुमानित 640,000 भारतीय नर्स विदेश में काम करती हैं। फिलीपींस एक और उदाहरण है - देश नर्सों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए प्रसिद्ध है। 193,000 से अधिक फिलीपींस-प्रशिक्षित नर्स विदेश में काम करती हैं, जो दुनिया भर में सभी फिलिपिनो नर्सों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा हैं। अर्थशास्त्र और भूराजनीति पुश और पुल कारकों के संयोजन के माध्यम से इस तरह के प्रवास की सीमा और प्रकृति को प्रभावित करते हैं। सीमित कैरियर विकास और कम मजदूरी प्रमुख आर्थिक धक्का कारक हैं। स्रोत देश में राजनीतिक अस्थिरता और संघर्ष अक्सर राजनीतिक धक्का कारक होते हैं। व्यापार समझौते जो प्रवास को प्रोत्साहित करते हैं, स्वास्थ्य संकट जो स्वास्थ्य कार्यकताओं को कुछ क्षेत्रों में खींचते हैं और अंतर्राष्ट्रीय भर्ती नीतियां सभी पुल कारक हैं, जो बदले में, स्रोत देशों में कमी में योगदान करते हैं। फिलीपींस और भारत जैसे देशों ने स्वास्थ्य कार्यकताओं के निर्यात को प्रोत्साहित करने, उन्हें प्रेषण और आर्थिक लाभ के स्रोतों के रूप में देखने के लिए नीतियों को औपचारिक रूप दिया है। फिर भी, दोनों देशों में स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है।

प्रेषण और कौशल विकास के रूप में संभावित लाभ के बावजूद, पहले से ही कमी का सामना कर रहे देशों में कार्यबल क्षमता की हानि लाभ को बढ़ाती है। इसलिए, एक संतुलित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय नीति प्रतिक्रिया है जो व्यक्ति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली और वैश्विक इक्विटी की जरूरतों पर केंद्रित है। राजनयिक लाभ के लिए क्रॉस-कंट्री माइग्रेशन का अक्सर लाभ उठाया जाता है। भारत, जिसे पहले से ही दुनिया की फामेर्सी के रूप में जाना जाता है, अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के प्रवास का लाभ उठाता है, प्रेषण और निवेश के माध्यम से आर्थिक लाभ को बढ़ावा देता है, स्वास्थ्य क्षेत्रों में अपने वैश्विक प्रभाव को बढ़ाता है, और परिपत्र प्रवास और द्विपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों के माध्यम से मस्तिष्क नाली की चुनौतियों का प्रबंधन करता है। इसने पड़ोसी और अफ्रीकी देशों में चिकित्सा पेशेवरों को तैनात करके कोविद महामारी के दौरान चिकित्सा कूटनीति को बढ़ाया। अब जरूरत है कि अधिक व्यापक बातचीत करने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाए - और लागू करने योग्य - स्रोत और गंतव्य देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते, जिसमें संभावित रूप से मुआवजा तंत्र, चिकित्सा शिक्षा में लक्षित निवेश, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, या प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल हो सकते हैं

शहर दक्षिणी के विभिन्न क्षेत्रों में 457.26 लाख के कार्य स्वीकृत

'डूडा द्वारा कराया जाएगा सड़को, गलियों का निर्माण कार्य

- 'औद्योगिक विकास मंत्री एवं प्रयागराज शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने भेजा था प्रस्ताव
- जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के नैनी, गंगोत्रीनगर, महेवा, काजीपुर, दरियाबाद, डांडी और खरकौनी में 457.26 लाख रूपए के लागत से सीसी रोड.

भारत संवाद

प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में सड़कों व गलियों का निर्माण न होने और लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मंत्री नन्दी ने जिला नगरीय विकास अभिकरण विभाग (डूडा) को प्रस्ताव भेजा था। जिसे स्वीकार करते हुए निर्माण कार्य का आदेश जारी किया गया।नैनी इन्दलपुर पसियाना बस्ती में ओपी आर्य के घर से सरोज मिस्त्री के दुकान तक नाली सीसी कार्य 600 मीटर 98.70 लाख, नैनी इन्दलपुर में बबलू भारतीय के घर से सरस्वती स्वीट तक सीसी रोड एवं नाली का कार्य 650 मीटर 106.93 लाख, नैनी गंगोत्रीनगर में पंत्र लाल गेस्ट हाउस के सामने से गुरूकुल स्कूल के मोड़ तक सीसी रोड एवं नाली का निर्माण कार्य 550 मीटर 90.48 लाख, गंगोत्रीनगर में बच्चन तिवारी के मकान से आरपी लाल के मकान तक सीसी रोड एवं नाली का निर्माण कार्य 275 मीटर 36.91 लाख, नैनी महेवा पश्चिम पट्टी राजेंद्र भारतीया के घर से शम्भू भारतीया के घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण 150 मीटर 21.65 लाख, नैनी काजीपुर की समस्त मलिन बस्ती में सीसी रोड एवं नाली निर्माण का कार्य 200 मीटर 27.85 लाख, दरियाबाद में हरिओम, अजय पटेल के आवास से पंकज धुरिया के आवास होते हुए पेट्रोल पम्प के बगल से हनुमान मंदिर तक इंटरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य 200 मीटर 2049 लाख, नैनी डांडी विद्यानगर में सुनील कुमार शुक्ला के घर से लेकर टीपी सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 200 मीटर 25.83 लाख, नैनी खरकौनी में भल्लू के घर से मीरा के घर तक दोनों गलियों में इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 220 मीटर 28.42 लाख की लागत से कराया जाएगा।

तीन बच्चों के पिता का फंदे पर लटका मिला शव

पति पत्नी में हुआ था विवाद, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

भारत संवाद

प्रयागराज, पूरामुफ्ती थाना इलाके में एक युवक का शव उसके कमरे में लटका मिला है। मृतक की पहचान उदय सिंह पटेल उर्फ नेता (30) के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों का पिता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिवार ने उदय का शव कमरे में छत के चुल्ले से लटका देखा। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए। मृतक के परिजनों के अनुसार, उदय गांव में खेती-किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। उदय गांव के लोगों के छोटे-मोटे कामों में मदद किया करता था। इसी कारण गांव के लोग उसे 'नेता' कहने लगे थे। रिश्तेदार अनूप कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से आर्थिक कारणों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। परिजनों को आशंका है कि पत्नी के ताने से तंग आकर उदय ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने परिवार की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी पूरामुफ्ती ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतक के परिवार से मिलने वाली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस आरोप के घेरे में आई पत्नी और बच्चों से भी पूछताछ कर रही है।

फास्ट ट्रैक

सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रयागराज ने सूबेदारगंज में किया पौधारोपण

भारत संवाद

दिनांक 27.7.2025 को सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज ने सूबेदारगंज में पेड़ लगाओ, धरती बचाओ ,के अंतर्गत पौधा रोपण का आयोजन किया, जिसमें डॉ एस.एस.नायक, अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक एवं डिवीजनल कमांडर मेडिकल तथा डॉ आशीष अग्रवाल अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं डिवीजनल कमांडर मेडिकल सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड, प्रयागराज ने स्वास्थ्य केंद्र सूबेदारगंज एवं शहीद ज्ञानचंद्र बैरक, रेलवे सुरक्षा बल, सूबेदारगंज में पौधारोपण कर उद्घाटन किया इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने पर्यावरण के संबंध में सभी सदस्यों को शपथ दिलाई ब्रिगेड के अधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा संकल्प भी लिया गया कि सभी अपने आसपास एवं वातावरण को शुद्ध एवं साफ रखने के लिए सभी रेलवे कॉलोनीयों एवं पार्कों तथा सड़क के किनारे अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे इस अवसर पर 55 पौधे रोपे गए जिसमें फलदार, छायादार एवं शोदार एवं फूलदार पौधों को रोपा गया, जिसमें अशोक, गुड़हल, मोरपंख, सागौन, साइकस आदि के पौधे लगाए गये इस कार्यक्रम में एंबुलेंस अधिकारी उदय चंद मौर्य, राजीव सिंह, रतन कुमार, मंडल सचिव आलोक कुमार वर्मा, सार्जेंट पवन कुमार, दुखांति प्रसाद, चंद्रप्रकाश यादव, राजीव दिवाकर, ओमप्रकाश, सतपाल सिंह, रामकिंकर, सुनील कुमार, संतोष सिंह, आदि लगभग 40 सदस्यों एवं रिटायर्ड ब्रिगेड के अधिकारियों ने भाग लिया

बाल खाने (Trichophagia) की आदत ने पहुचांया मौत के मुंह तक, कठिन औपरेशन से बची युवती की जान

मानसिक बिमारी (PICA) बनी जानलेवा, पेट से निकला आधा किलो बालों का गुच्छा (Trichobezoar)

भारत संवाद

प्रयागराज, कौशांबी, जुलाई 2025 कौशांबी जिले की अंडवा पश्चिम शरीरा सरसावा निवासी 21 वर्षीय मंजू (पिताः कर लो) बचपन से ही मानसिक तनाव और व्यवहारगत विकृति से जूझ रही थी। मानसिक असंतुलन के कारण उसे बाल खाने (Trichobezoar) की आदत लग गई थी। वह अक्सर अपनी मां और बहनों के बाल नोचकर खा जाती थी, जिससे धीरे-धीरे उसके पेट में बालों का एक बड़ा गुच्छा (Trichobezoar) बन गया।

कुछ समय बाद मंजू को लगातार पेट में तेज दर्द, उल्टी, भूख न लगना और वजन तेजी से गिरने जैसी गंभीर समस्याएं होने लगीं। परिवारजन उसे कई अस्पतालों में ले गए, कई अल्ट्रासाउंड जांचें कराईं, पर बीमारी की सही पहचान नहीं हो सकी।

कोई डॉक्टर ऑपरेशन को तैयार नहीं था, पर नारायण स्वरूप हॉस्पिटल बना उम्मीद की किरण।

निराशा की स्थिति में मंजू को नारायण स्वरूप हॉस्पिटल, प्रयागराज लाया गया, जहां वरिष्ठ सर्जन डॉ. राजीव सिंह, डॉ. विशाल केवलानी, डॉ. योगेंद्र, और डॉ. राज मौर्य की विशेषज्ञ टीम ने गंभीर स्थिति को समझते हुए तत्परता से इलाज की रूपरेखा बनाई। एडवांस तकनीक और अनुभव के आधार पर सफल ऑपरेशन किया गया, और पेट से बालों की बड़ी गांठ निकाली गई। यह बालों का गुच्छा लगभग आधा किलो एवं 1.5 फिट लम्बा और 10 सेंटीमीटर मोटा है इसके औपरेशन में खाने की थैली (Stomach) को ओपन करके सावधानी पूर्वक पुरे लाखों बाल के गुच्छों को जो कि आपस में चिपक करके एक आधा किलो का ट्यूमर बना लिए थे जिसे (Trichobezoar) कहा जाता है। पूरा गुच्छा निकालने के उपरांत आंत की धुलाई और सफाई करके खाने की थैली को रिपेयर कर दिया गया, औपरेशन करने में लगभग 2 घंटे का समय लगा, यह एक जटिल औपरेशन होता है, परन्तु मरीज अब बिलकुल पूर्णता स्वस्थ है और नार्मल भोजन कर रहा है और अब उसके मानसिक रोग की बीमारी ठीक हो गयी है आज मंजू सुरक्षित है, सामान्य भोजन कर पा रही है, और मानसिक परामर्श से भी गुजर रही है।यह मामला एक गंभीर चेतावनी है:मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें।बच्चों के व्यवहार में असामान्यता दिखे तो उसे अनदेखा न करें।मानसिक विकृति समय पर पहचान कर उपचार कराना अत्यंत आवश्यक है।शारीरिक लक्षणों के पीछे मानसिक कारण भी हो सकते हैं।नारायण स्वरूप हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. राजीव सिंह ने बताया, यह केस बेहद चुनौतीपूर्ण था। पर समय रहते ऑपरेशन कर जान बचा ली गई। यह घटना बताती है कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को साथ लेकर चलना बहुत जरूरी है।

रक्षा लेखा महानियंत्रक डॉ. मयंक शर्मा ने आज प्रयागराज में रक्षा लेखा (पेंशन) पर आधारित गैलरी 'धरोहर' का किया उद्घाटन

स्पर्श प्रणाली के माध्यम से पिछले एक वर्ष में रक्षा लेखा (पेंशन) कार्यालय द्वारा चार लाख से अधिक शिकायतों का किया गया समाधानः डॉ. मयंक शर्मा

भारत संवाद

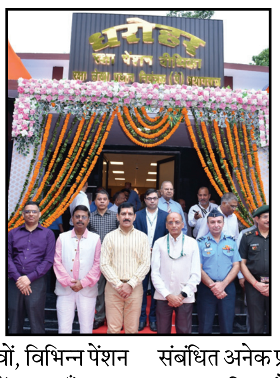

प्रयागराज। रक्षा लेखा महानियंत्रक डॉ. मयंक शर्मा ने प्रयागराज स्थित द्रौपदी घाट पर रक्षा लेखा पेंशन कार्यालय की विरासत को दशार्ने वाली गैलरी 'धरोहर' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुये डॉ. मयंक शर्मा ने कहा कि ₹धरोहर₹ गैलरी रक्षा कार्यालय के ऐतिहासिक विकास, स्वतंत्रता के उपरांत रक्षा पेंशन प्रणाली में आए बदलावों, विभिन्न पेंशन योजनाओं, ऑटोमेशन की यात्रा, पेंशनरों तक पहुँच तथा क्षमता निर्माण के प्रयासों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि धरोहर गैलरी में 1880 के दशक के दुर्लभ दस्तावेज, स्वतंत्रता-पूर्व फर्नीचर एवं दशकों पुराने कार्यालय उपयोगी वस्तुएँ प्रदर्शित की गई हैं। रक्षा लेखा महानियंत्रक ने कहा कि गैलरी की दीवारों पर स्वतंत्रता के बाद कार्यालय का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों एवं परमवीर चक्र विजेताओं को श्रद्धांजलि स्वरूप स्थान दिया गया है और गैलरी में कार्यालय को प्राप्त विभिन्न सरकारी पुरस्कारों का भी प्रदर्शन किया गया है।उन्होंने कहा कि यह कार्यालय देशभर के 33 लाख से अधिक रक्षा पेंशनरों की पेंशन से संबंधित प्रबंधन, वितरण, लेखा परीक्षा एवं लेखांकन का कार्य करता है तथा प्रतिवर्ष लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये की धनराशि का लेखा-जोखा करता है। डॉ. मयंक शर्मा ने कहा कि कार्यालय नामक एक पूर्णतः डिजिटल पेंशन प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिसके माध्यम से पेंशन को ऑनलाइन स्वीकृत कर वास्तविक समय में सीधे पेंशनभोगियों के बैंक खातों में जमा किया जाता है। डॉ. शर्मा ने बताया कि स्पर्श प्रणाली के माध्यम से पिछले एक वर्ष में चार लाख से अधिक शिकायतों का समाधान किया गया है। पूर्ववर्ती मैनुअल प्रणाली में बैंकों द्वारा किए गए त्रुटिपूर्ण भुगतान को सुधारा गया है और बीते छह माह में लगभग पाँच लाख मामलों का संशोधन किया गया है। वीर नारियों से संबंधित अनेक प्रकरणों को कार्यालय ने स्वतः संज्ञान लेकर समाधान किया है, जिसके परिणामस्वरूप बीते छह माह में 18 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान सुनिश्चित किया गया है। अक्टूबर 2020 में आरंभ की गई यह पहल 'डिजिटल इंडिया' अभियान के अंतर्गत आती है और एक पारदर्शी, उत्तरदायी तथा कुशल पेंशन प्रणाली को साकार करती है। यह प्रणाली पेंशनरों को उनकी पेंशन संबंधी जानकारी सुलभ कराती है और साथ ही उन्हें अपने विवरणों के सुधार एवं शिकायतों के समाधान का अवसर भी प्रदान करती है।डॉ. शर्मा ने कहा कि इस ऐतिहासिक विरासत को आम जनता के समक्ष लाने से न केवल इस कार्यालय के कार्यों की महत्ता उजागर होगी, बल्कि इससे पेंशनरों और कार्यालय के मध्य विश्वास एवं संवाद को भी बल मिलेगा। उन्होंने कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी ऊर्जा एवं उत्साह के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

नकली कावड़िया बनकर चोरी करने वाले गैंग का पदार्फाश, 03 शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का आभूषण, मोबाइल फोन व नगदी बरामद

भारत संवाद

थाना मड़िहान, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 27.07.2025 को वादी मोहित कुमार पुत्र सदाफल सोनकर निवासी रामपुर ढवही खोड़िया थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर द्वारा अपने साथियों के साथ कावड़ यात्रा में गंगाजल लेकर शिवद्वार मंदिर घोरवाल जा रहे थे, कलवारी बाजार में काफी थके होने के कारण गहरी नीद में सोये थे इस दौरान अज्ञात चोरों द्वारा वादी का मोबाइल फोन चोरी किये जाने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-237/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी ।सोमेन बर्मा॰ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना के सफल अवारण तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं चोरी के सामानों की बरामदगी करने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी आपरेशन के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना मड़िहान को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के क्रम में थाना मड़िहान पर पंजीकृत उक्त अभियोग की विवेचना में सुरागरसी-पतारसी एवं इलेक्ट्रानिक/भौतिक साक्ष्य संकलित करते हुए आज दिनांकः28.07.2025 को त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना मड़िहान पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्रांतर्गत कलवारी बाजार के पास से 03 नफर अभियुक्तों 1. सरफराज पुत्र लाल मोहम्मद निवासी औरही थाना घोरवल जनपद सोनभद्र, 2. सुभाष पुत्र रामनाथ निवासी जुड़ी थाना घोरावल जनपद सोनभद्र व 3. राजेश कुमार पुत्र वीरेन्द्र कुमार निवासी पटवध धरिकार बस्ती थाना चोपन जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया ।

सोमना स्टेशन पर बिना टिकट एवं अनिमियत यात्रा करने वाले यात्रियों से रू 129275/- वसूल किया गया

भारत संवाद

प्रयागराज मण्डल सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, श्री अतुल यादव के निर्देशन में रेल यात्रियों को उत्तम भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में टिकट चेकिंग अभियान चलाये जा रहे है।

इसी क्रम में दिनांक 28.07.2025 को उप मुख्य यातायात प्रबंधक, टूंडला श्री अमित आनंद के निर्देशन में भी सहायक वाणिज्य प्रबंधक टूंडला श्री ऐ.के. सिन्हा एवं संयुक्त टीम द्वारा सोमना रेलवे स्टेशन पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक/अलीगढ़.ईस्ट/वेस्ट श्री संजय शुक्ला, श्री तपेश गोवस्वामी, वाणिज्य निरीक्षक/खुर्जा, श्री हनुमान मीणा, मुख्य टिकट निरीक्षक श्री रामवतार साथ में 45 टिकट चेकिंग स्टाफ तथा आर.पी.एफ स्टाफ पांच एवं जीआरपी स्टाफ दो सहित विशेष टिकट चेकिंग अभियत चलाया गयो इस दौरान बिना टिकट यात्रा करते हुए कुल 391 यात्रिओं को प्रभारित करते हुए रुपया 1,22,875/- जुमार्ना वसूल किया गया साथ ही अनिमियत टिकट पर यात्रा करते हुए कुल 13 यात्रियों को प्रभारित करते हुए रुपया 6,400/- वसूल किया गया

रेल प्रशासन सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएं, कूड़ा कूड़ेदांन में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें

अखिलेश कुमार ने ग्रहण किया वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य का कार्यभार

भारत संवाद

श्री अखिलेश कुमार ने प्रयागराज मण्डल में वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य का पदभार ग्रहण किया, इससे पूर्व वह उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय में उप मुख्य विद्युत इंजीनियर पद पर कार्यरत थे । अखिलेश कुमार से पूर्व इस पद पर श्री कुँवर सिंह यादव कार्यरत थे । श्री अखिलेश कुमार 2013 बैच के भारतीय रेलवे विद्युत इंजीनियर सेवा के अधिकारी हैं ।उन्होंने 2012 में मदन मोहन मालवीय इंजीनियर कालेज, गोरखपुर से प्रथम श्रेणी में बीटेक की उपाधि प्राप्त की । श्री अखिलेश कुमार ने वर्ष 2013 में केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन में सहायक विद्युत इंजीनियर/ झाँसी के पद पर भारतीय रेलवे में शामिल हुए तत्पश्चात रेलवे विद्युतीकरण में कार्यकारी विद्युत इंजीनियर/ओएचई, कार्यकारी विद्युत इंजीनियर/प्लानिंग, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (पावर सिस्टम इंस्टालेशन), उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (मटेरियल प्लानिंग), महाप्रबन्धक कोर के सचिव एवं उत्तर मध्य रेलवे/मुख्यालय में उप मुख्य विद्युत इंजीनियर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया । श्री अखिलेश कुमार को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2021 में रेल मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

यात्रियों के सामान एवं मोबाइल की चोरी करने वाले 01 शातिर को किया गिरफ्तार

भारत संवाद

यात्री सामान की चोरी की रोकथाम व चोरी में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ हेतु रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज, डिटेक्टिव विंग/प्रयागराज तथा जीआरपी थाना प्रयागराज द्वारा आज दिनांक. 28.07.2025 को संयुक्त रुप से रेलवे स्टेशन प्रयागराज डीएसए ग्राउंड के बगल में जा रहे रोड ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे लाइन के किनारे 01 शातिर अभियुक्त को यात्री से चोरी किये गये 02 अदद मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर उसके द्वारा चोरी किया जाना स्वीकार किया गया।

आरोपी का नाम चंद्रमा पाठक उर्फ चंदू पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल पाठक उम्र 27 वर्षनिवासी इतना थाना सराय अकिल जिला कौशांबी (उत्तर प्रदेश) है।

गिरफ्तार करने वाली टीम मे

1. उ.नि. संजय कुमार तिवारी ,रेल सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज,
2. सहा0 उप निरीक्षक लाखन सिंह, डिटेक्टिव विंग/प्रयागराज
3. उपनिरीक्षक मनीष कुमार, हमराह स्टाफ जीआरपी थाना प्रयागराज।

अभियुक्त से बरामद संपत्ति में 02 अदद चोरी के मोबाइल कीमत लगभग ?50,000/- है।

अभियुक्त मौका पाकर ट्रेनों में यात्रारत यात्रियों के सामान एवं मोबाइल की चोरी करता था।

आलू के उत्पादन, निर्यात एवं उन्नतशील प्रजातियां को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र, पेरू एवं भारत सरकार के बीच हुआ एमओयू

उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने भारत सरकार के प्रति जताया आभार

भारत संवाद

लखनऊः आलू के उत्पादन, शोध, निवेश एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र, पेरू एवं भारत सरकार के मध्य उत्तर प्रदेश के आगरा के सिंगना में सीआईपी के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना हेतु समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर होने पर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने माननीय प्रधानमंत्री जी तथा मा0 कृषि मंत्री भारत सरकार का आभार व्यक्त किया एवं उच्च अधिकारियों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश आलू उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।इस ऐतिहासिक एमओयू के प्राविधानों का लाभ उत्तर प्रदेश के आलू किसानों तथा आलू के क्षेत्र में शोध करने वाले वैज्ञानिकों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा, किसानों की आय में वृद्धि होगी, रोजगार सृजन और फसल उत्पादकता एवं कटाई के बाद की प्रक्रिया में सुधार होगा।उद्यान मंत्री ने कहा कि यूपी में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की शाखा की स्थापना माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राज्य के कृषि एवं आलू उत्पादकों के हित में दूरदर्शी सोच एवं संवेदनशीलता का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि सीआईपी द्वारा विकसित आलू और शकरकंद की किस्में उच्च उपज देने वाली, पोषक तत्वों से भरपूर और जलवायु अनुकूल होगी। केंद्र विश्व स्तरीय विज्ञान एवं नवाचार के माध्यम से उत्तर प्रदेश, भारत में ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में भी सतत कृषि विकास को महत्वपूर्ण रूप से गति प्रदान करेगा।

टोल टैक्स निर्धारण के वैज्ञानिक आधार पर विचार करने की आवश्यकता है !

- देश के अधिकतर राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स लिया जा रहा है। समय-समय पर टोल प्लाजों के ठेकेदारों द्वारा सरकारों की सहमति से इसमें मनमाफिक बढ़ोत्तरी भी की जाती है ! लेकिन, टोल टैक्स वसूलने की नीति पर आज कुछ लिख रहा हूं और आपके विचारों की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

भारत संवाद

श्याम सिंह पंवार
वरिष्ठपत्रकार, कानपुर, यूपी

कानपुर नगर एवं देहात जिले के बीच में पड़ने वाले बाराजोड़ टोल प्लाजा पर जाने के दौरान गुजरने पर फास्ट टैग धारक निजी कार मालिकों से 180 रुपये का टोल टैक्स वसूला जाता है और 24 घंटे के अन्दर वापस आने पर 85 रुपये का टोल टैक्स वसूला जाता है अर्थात निजी कार मालिक को अपनी जेब से 265 रुपये अदा करना पड़ता है। वहीं अगर 24 घंटे से कुछ ज्यादा समय होने के बाद वापसी पर 180 रुपये ही लिया जाता है अर्थात आने-जाने पर 360 रुपये अदा करना पड़ता है।वहीं बिना फास्ट टैग धारक निजी कार मालिकों से जाने के दौरान 360 रुपये और वापसी के दौरान 360 रुपये अर्थात 720 रुपये की वसूली की जा रही है।ऐसे में सवाल यह उठता है कि 24 घंटे के अन्दर वापस आने पर सड़क को क्या कम क्षति होती है और 24 घंटे के बाद वापस आने पर ज्यादा ? सवाल यह भी उठता है कि फास्ट टैग वाले वहनों की अपेक्षा, क्या बिना फास्ट टैग वाले वाहनों से सड़क को क्षति ज्यादा पहुंचती है ? कमोबेस इसी तर्ज पर यही नीति देश के अधिकतर राष्ट्रीय राजमार्गों पर अनेक वाहनों पर उनके भार व वाहन के प्रकार के आधार पर लागू है, जोकि विचारणीय है। सड़क की क्षति, मुख्य रूप से वाहन के वजन, आवागमन की आवृत्ति और सड़क की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। एक वाहन के 24 घंटे के भीतर या बाद में वापस आने से सड़क पर पड़ने वाला प्रभाव समान ही रहता है। वहीं निजी कार में फास्ट टैग लगा हो या न लगा हो, उससे भी प्रभाव तो समान ही रहता है, क्योंकि वाहन का वजन और सड़क का उपयोग एक जैसा ही रहता है। इस दृष्टिकोण से, 24 घंटे के आधार पर और फास्ट टैग लगा होने या न लगा होने पर टोल टैक्स में अन्तर करना सड़क की क्षति के हिसाब से तर्कसंगत नहीं लगता ! एक ही वाहन का एक बार गुजरना, चाहे वह 24 घंटे के भीतर हो या बाद में, फास्ट टैग लगा हो या न लगा हो, सड़क को समान रूप से ही प्रभावित करता है। में सड़क के रखरखाव और टोल टैक्स निर्धारण के वैज्ञानिक आधार पर विचार करने की आवश्यकता है न कि व्यापारिक लाभकारी मंशानुरूप !₹

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

शिव, प्रकृति के संरक्षक स्व से समष्टि की यात्रा का आह्वान स्वामी चिदानन्द सरस्वती

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस एवं सावन के तीसरे सोमवार के पावन अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का संदेश प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, साक्षातशिव स्वरूप

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज सावन मास के तीसरे सोमवार के शुभ अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने सभी शिवभक्तों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि आज का दिन प्रकृति और परमात्मा के पवित्र मिलन का है। यह संयोग मात्र नहीं, संकेत है कि हम प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, साक्षात शिव स्वरूप माने। भगवान शिव, संपूर्ण सृष्टि के आधार हैं। वे ही पंचमहाभूतों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश के स्वामी हैं। उनके गले में सर्प, जटाओं में गंगा, शरीर पर भस्म, और वाहन नंदी, यह सब प्रतीक हैं कि शिव स्वयं प्रकृति में रमण करते हैं। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि शिव का स्वरूप स्वयं में पर्यावरणीय स्थिरता का प्रतीक है। उनकी जटाओं में गंगा, जल संरक्षण और प्रवाह का संतुलन, गले का सर्प, जैव विविधता के साथ समरसता, शरीर पर भस्म, उपभोग से संयम का प्रतीक, नंदी, पशुधन और प्रकृति के साथ सामंजस्य और त्रिशूल, चेतना, ऊर्जा और न्याय का त्रय संतुलन है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज जब हम विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मना रहे हैं तो आइए समझें कि प्रकृति के संरक्षण की शुरूआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। स्व से समष्टि का यही अर्थ है जब हम अपने जीवन को संयमित, सतोगुणी और सेवा-परक बनाते हैं, तो उसका सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है।प्रकृति हमारे अस्तित्व की आधारशिला है।

प्रयागराज में मदद फाउंडेशन का भव्य समारोह सांसद सीमा द्विवेदी ने रविवार की रसोइ को हर जनपद में लागू करने का किया आह्वान

भारत संवाद

प्रयागराज। मदद फाउंडेशन ने रविवार को अपने तीसरे स्थापना दिवस और सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी की सामाजिक पहल 'रविवार की रसोई' की जमकर सराहना की और कहा कि रविवार की रसोई जैसी पहल हर जनपद में शुरू होनी चाहिए। कार्यक्रम की शुरूआत सांसद सीमा द्विवेदी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ की। नन्हे-मुन्ने बच्चों काजल तिवारी, अंजलि तिवारी, रुद्र तिवारी और ऋद्धि तिवारी ने सरस्वती वंदना व गणेश वंदना प्रस्तुत कर समारोह को आध्यात्मिक रंग प्रदान किया। अपने उद्बोधन में मंगला प्रसाद तिवारी ने बताया कि 3 वर्ष पूर्व एक गरीब व्यक्ति को कूड़े से खाना बीन कर खाते देख उनके मन में मदद फाउंडेशन की स्थापना का विचार आया। अपनी पत्नी अमृता तिवारी के सहयोग से शुरू की गई 'रविवार की रसोई' आज हर रविवार को 500 जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन और पानी उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि यह पहल पूरी तरह स्व-वित्तपोषित है, जिसमें वे खुद एवं उनकी टीम अपनी आय का 10 प्रतिशत हिस्सा दान करती है। सांसद सीमा द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा, "मंगला प्रसाद तिवारी ने अपने माता-पिता से मिली सीख को आत्मसात कर समाजसेवा का जो अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है, वह समाज के लिए प्रेरणा है। 'रविवार की रसोई' जैसी पहल हर जनपद में होनी चाहिए। इस आयोजन में शामिल होकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वह स्थानीय निवासी होतीं, तो हर रविवार इस नेक कार्य में शामिल होतीं। कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 60 समाजसेवियों को 'मदद भूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अर्चना संजीव त्रिपाठी, आशीष मिश्रा, अभिषेक शुक्ला, राहुल चावला, अवधेश निषाद, अर्पित तिवारी, संजय मिश्रा, दिनेश तिवारी, अरविन्द पाण्डेय श्रीमती निधि पाण्डेय दिनेश यादव, संतोष तिवारी, सुधीर कुमार मिश्रा, रोहित गुप्ता, आलोक जैन, सुमित गुप्ता, संदीप तिवारी, दीपक अग्रवाल, रोहित तिवारी, दिनेश सिंह, डा. जे. आर. प्रजापति, अजीत सिंह, संजय कुमार पांडेय, संजीव चावला, अंजली केसरी, सुनील दत्त दूबे और कुंवर जी तिवारी शामिल रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्रृंगवेरपुर धाम पीठाधीश्वर शांडिल जी महाराज, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस पंकज कुमार, संस्था के मार्गदर्शक एवं पूर्व प्रवक्ता पं. कैलाश नाथ तिवारी, डिविजनल ऑफीसर सिविल डिफेंस रौनक गुप्ता, उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार सिंह और अमृता तिवारी उपस्थित रहे। सभी ने मदद फाउंडेशन के कार्यों को सामाजिक कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसकी प्रशंसा की। गौरतलब है कि पिछले तीन वर्षों से मदद फाउंडेशन प्रयागराज में गरीब, जरूरतमंद और निराश्रित लोगों के लिए 'रविवार की रसोई' के माध्यम से निःशुल्क भोजन और पानी की व्यवस्था कर रहा है। यह आयोजन न केवल फाउंडेशन की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि समाजसेवा के प्रति समर्पित लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय सिंह, कुंदन श्रीवास्तव, कुश्लेश दुबे, यश शर्मा, आदर्श पाठक, अमित श्रीवास्तव, विजय मिश्रा, प्रदीप प्रजापति, अखिलेश पाण्डेय, अखिलानंद शुक्ला, रत्नेश यादव, अनूप मिश्र, भानु प्रकाश, सक्षम गुप्ता, विकाश द्विवेदी ,रामजी शुक्ला, पुनीत श्रीवास्तव, निरंजन लाल गुप्ता, सूरज वर्मा, श्रीमती सहित सैकड़ों कार्यकर्ता, समाजसेवी और पदाधिकारी मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

अमृतधारी अभ्यर्थी को ककारों सहित प्रवेश परीक्षा मे रोकने पर सिख समाज मे आक्रोश

भारत संवाद

सहारनपुर। गत दिवस जयपुर राजस्थान की पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जज एंट्रेंस एग्जाम (न्यायधीश प्रवेश परीक्षा) के लिए पहुंची पंजाब के जिला तरनतारन के खडूर साहिब की अमृतधारी अभ्यर्थी गुरप्रीत कौर को सिख धार्मिक ककारों सहित एग्जाम सेंटर के अंदर जाने से रोक दिया गया जिससे उसे बिना एग्जाम के वापिस लौटना पड़ा, बता दें कि सिख धर्म मे जो अमृतधारी महिला या पुरुष होता है वो पांच ककार धारण करके रहता है जिसमे हाथ का कडा और कृपाण भी होती है इस कई सौ किलोमीटर की यात्रा करके जयपुर पहुंची इस छात्रा को इस कढे और किरपान के साथ अंदर जाने से रोका गया जबकि अन्य किसी एग्जाम मे कभी नहीं रोका जाता उस अभ्यर्थी ने यह भी पूछा यदि इन दोनों ककार छोटे साइज के पहन लूँ तो जाने दोगे लेकिन किसी ने एक ना सुनी जैसे ही लड़की की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई उसके कुछ समय बाद ही सिख धर्म की सर्वोच्च संस्था तख्त श्री अकाल तख्त अमृतसर के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज जी ने एक्स के माध्यम से सिख जत्थेबंदियों, संस्थाओ, पार्टियों को कहा कि प्रतिनिधिमंडल बनाकर भारत सरकार और राजस्थान हाईकोर्ट से शीघ्र इस बारे मे वार्ता करें जिससे भविष्य मे ऐसे किसी अमृतधारी बच्चो का भविष्य खराब ना हो इसी सन्दर्भ मे आज गुरुद्वारा रोड स्थित सिख युवा संघठन के कार्यालय पर पदाधिकारियों ने एकत्र होकर इस बाबत निंदा की इस मौके पर संगठन के संरक्षक सुरेंद्र मोहन सिंह चावला और अध्यक्ष एम पी सिंह चावला ने कहा कि अगर जल्दी ही इस विषय पर भारत सरकार और राजस्थान हाई कोर्ट संज्ञान मे लेकर कोई भविष्य के लिये ठोस कदम नहीं उठाती तो पहले सरकार को पत्र लिख कर फिर आवश्यकता पडने पर संस्था के प्रतिनिधि भी सरकार से इस बाबत वार्ता करेंगे इस मौके पर सिख युवा संघठन के संरक्षक अध्यक्ष सुरेंद्र मोहन सिंह चावला और अध्यक्ष एम पी सिंह चावला के अलावा महामंत्री गोविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष इन्दरपाल सिंह बजाज, दविंदर सिंह चढ़ा, साहिब सिंह, रुपिन्दर सिंह, हरजीत सिंह, सुरेंदर पाल सिंह चावला,जितेंदर सिंह,महीप सिंह, जसविंदर सिंह, परमजीत सिंह, जसबीर सिंह बत्रा, इकबाल सिंह आदि मौजूद रहे।

महादेव के 1008 दीपक श्रृंगार से सृष्टि में चेतना एवं दिव्यता बढ़ती है : कालेन्द्रानंद

भारत संवाद

सहारनपुर। राधा विहार स्थित औघड़ दानी नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में महादेव का 1008 दीपक श्रृंगार अवसर पर स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा महादेव के 1008 दीपक श्रृंगार से सृष्टि में चेतना एवं दिव्यता बढ़ती है। श्री रामकृष्ण विवेकानंद संस्थान के तत्वाधान में आयोजित श्रावण मास पूजा में औघढ़ दानी नर्मदेश्वर महादेव का गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर से महा स्नान किया गया और रुद्री पाठ से, शिव सहस्त्रनाम स्तोत्र एवं शिव महिम्न स्तोत्र से महादेव का रुद्राभिषेक किया गया इसके बाद महादेव पर भस्म चढ़ाई गई और अबीर गुलाल एवं चंदन से महादेव को सजाया गया। महादेव को भोग अर्पण कर भगवान की आरती उतारी गई। शिव महिमा का वर्णन करते हुए स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा शिव ही समस्त सृष्टि में चेतन भाव में है शिव ही सब प्रकृति एवं जीवो में प्राण है एवं शिव ही सभी को अपनी दिव्यता से प्रकाशित करते हैं इसी आधार पर महादेव का 1008 दीपक श्रृंगार किया गया जिससे आत्म तत्वों को दिव्यता प्राप्त होती है महाराज श्री ने कहा यह श्रृंगार सर्वप्रथम विष्णु जी के द्वारा किया गया जिससे उन्हें शिव के द्वारा अक्षय वरदान प्राप्त हुआ इसी कारण वह अपनी दिव्यता से सृष्टि का पालन पोषण करते हैं उन्होंने कहा महादेव ही सभी तत्वों को समाहित कर निरंजन कहलाते हैं महादेव समाधि में रहते हुए भी जागृत देव हैं उन्हीं के जागृति का भाव सृष्टि का संतुलन एवं संचालन है शिव स्वयं एक गुणात्मक व्यवस्था है जिसके द्वारा संपूर्ण ब्रह्मांड का संचालन होता है इसलिए प्रत्येक जीव को शिव की गुणात्मक भाव का अनुसरण कर अपने जीवन में गुणात्मक संतुलन करना चाहिए

मजदूर संघर्ष संगठन का स्थापना सम्मेलन मेरठ में सम्पन्न

संगठन में पदाधिकारियों का चुनाव भी हुआ

भारत संवाद

मेरठ। मजदूर संघर्ष संगठन का स्थापना सम्मेलन आज मलियाना, मेरठ में क्रांतिकारी उत्साह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की शुरूआत क्रांतिकारी गीत से हुई, जिसके बाद सर्वसम्मति से संगठन के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। प्रवेंद्र कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष, विक्रम प्रताप को जनरल सेक्रेटरी, अमित बेरा को उपाध्यक्ष, अभिषेक को शिक्षा और संस्कृति सचिव, मोहित पुंडीर को ट्रेड यूनियन सचिव, आशुतोष दुबे को कार्यालय सचिव, आकाश को मीडिया प्रभारी, जैनब को महिला मोर्चा अध्यक्ष और विशाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा मेरठ से उत्कर्ष, शामली से दिव्यांश, बागपत से नवनीत, देहरादून से कुलदीप और शाहदरा से सन्नी को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने संगठन के उद्देश्यों, कार्यशैली और कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। महिला मोर्चा अध्यक्ष जैनब द्वारा पेश किया गया 18 सूत्री प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। नेपाली मूल प्रवाह से कपिल खनाल, सीएसटीयू से मुकुल और आईएमके से हरीश ने मजदूर वर्ग पर हो रहे हमलों का मिलकर मुकाबला करने की आवश्यकता पर बल दिया। ग्रामीण मजदूर यूनियन से साहिल, बीएनइसयू से अनिरुद्ध और नैशनल अलायंस फॉर लेबर राइट्स से राजेश उपाध्याय ने क्षेत्रवाद, जातिवाद और साम्प्रदायिकता के खिलाफ मजदूर वर्गीय विचारधारा को अपनाने की वकालत की। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक आर.पी. सिंह, पुणे से विजय एडवोकेट, इफ्टू (न्यू) से पी.के. शाही, नारी मुक्ति संगठन से आशु वर्मा, नौजवान भारत सभा से अमरपाल और किसान एकता केंद्र से प्रवीण ने पूंजीवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ किसानों, मजदूरों और मेहनतकश तबकों को एकजुट होकर समतामूलक समाज की स्थापना के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। अंत में कोषाध्यक्ष विशाल ने सभी प्रतिनिधियों और सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

ज्ञान महाविद्यालय में जिला उद्योग ने आयोजित की सीएम. युवा उद्यमी कार्यशाला

रामगोपाल शर्मा संवाददाता / भारत संवाद

अलीगढ़। जिला उद्योग केन्द्र के द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पर ज्ञान महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में महाविद्यालय व ज्ञान निजी आईटीआई के सहयोग मंडलीय कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता आशीष गुप्ता,उपायुक्त उद्योग, अलीगढ़ द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि प्राचार्या डॉ.सोनाली गुप्ता,लीड बैंक मैनेजर अशोक कुमार,उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल रहे। इस जिलास्तरीय कार्यशाला में जनपद के विभिन्न लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। उपायुक्त उद्योग,अलीगढ़ आशीष गुप्ता ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत जिलास्तरीय कार्यशाला का उद्देश्य बताते हुए कहा कि इस योजना से युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है,यह योजना स्टार्टअप्स को बढ़ाने, मार्केटिंग व नेटवर्किंग की मदद के साथ लोन व सब्सिडी के रूप में वित्तीय सहायता करना है। स्वागत सत्र के बाद समाधान संस्था से रजत मिश्रा द्वारा आइडिया सत्र में सीएम युवा की हैंड होल्डिंग मदद की चर्चा की। तकनीकी सत्र में एग्री फूड प्रोडक्ट्स बिजनेस मॉडल की केस स्टडी पर विस्तार से जानकारी दी। लाभार्थियों से प्रश्न व उत्तर का खुला सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रबंधक ब्रजेश यादव ने किया। जिलास्तरीय कार्यशाला में जिला उद्योग केन्द्र अलीगढ़ के सहायक आयुक्त राजमन ने स्वागत व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन ज्ञान महाविद्यालय के अधिशासी अधिकारी डॉ.ललित उपाध्याय ने किया। इस कार्यशाला में प्राचार्या डॉ. सोनाली गुप्ता,लीड बैंक मैनेजर अशोक कुमार,निदेशक आरएसईटी केनरा बैंक अशोक कुमार,उप प्राचार्य डॉ.हीरेश गोयल,अकादमिक प्रभारी,डॉ.जी.जी. वार्ष्णेय ज्ञान निजी आईटीआई अलीगढ़, विवेक शर्मा,कंसल्टेंट हर्षित कुमार,सहित उद्योग विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारी व दो सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल रहे।

नगर आयुक्त का औचक निरीक्षण: सेंटर पॉइंट-समद रोड पर सफाई व्यवस्था में लापरवाही पकड़ी, सुपरवाइजर हटाया

निरीक्षण से मचा हड़कंप, लापरवाही पर सख्त हुई नगर आयुक्त की कार्रवाई

डोली शर्मा संवाददाता /भारत संवाद

अलीगढ़। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त ने सोमवार को सेंटर पॉइंट व समद रोड क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था में भारी लापरवाही सामने आई, जिससे नाराज नगर आयुक्त ने सफाई सुपरवाइजर, निरीक्षकों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्काल वेतन रोकने, नोटिस जारी करने और पद से हटाने जैसे कदम उठाए। सेंटर पॉइंट क्षेत्र में जब नगर आयुक्त पहुंचे, तो सुपरवाइजर सुनील कुमार से सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में पूछा गया। लेकिन सुपरवाइजर रजिस्टर नहीं दिखा सके और कारण गाड़ी खराबी बताया। इस पर नगर आयुक्त ने गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए उनका वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए। स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह बीट प्लान नहीं दिखा सके, जिस पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए। निरीक्षण में मौजूद 13 सफाई कर्मचारियों में से केवल 5 ही ड्यूटी पर मिले। शेष 8 कर्मचारियों के विरुद्ध एक दिन के वेतन कटौती और नोटिस जारी करने की कार्रवाई शुरू की गई। समद रोड के वैष्णो अपार्टमेंट वाली गली में निरीक्षण के दौरान सफाई की स्थिति बेहद खराब मिली। जब नगर आयुक्त ने सुपरवाइजर विष्णु गोपाल के बारे में जानकारी ली, तो वह बिना अनुमति के गैरहाज़िर पाए गए। इस पर उन्हें तत्काल पद से हटाकर नगर निगम कार्यालय अटैच कर दिया गया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानदारों द्वारा खुले में कचरा फेंकते देखा गया। इस पर नगर आयुक्त ने सभी व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रत्येक दुकान पर गीले और सूखे कचरे के लिए दो अलग-अलग कूड़ेदान रखना अनिवार्य है। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर नगर निगम द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पूरी तरह सक्रिय है, लेकिन यह तभी सफल हो पाएगा जब नागरिक व व्यापारी भी पूरी जिम्मेदारी से सहयोग करें। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे और लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डूबने से बचाव, हमारी जिम्मेदारी

प्रत्येक वर्ष जनपद सुलतानपुर में नागपंचमी के अवसर पर गुड़िया पीटने के दौरान बच्चे पोखर, तालाब आदि में चले जाते है और दुर्घटना हो जाती है जिसमें कई बच्चों की डूब कर दुखद मृत्यु हो जाती है।

नागपंचमी के अवसर पर गुड़िया पीटने के दौरान बच्चों की सुरक्षा के लिए आम जनमानस को निम्नलिखित सलाह दी जाती है:

1. बच्चों पर निगरानी रखें: गुड़िया पीटने के दौरान बच्चों को पोखर, तालाब आदि के पास जाने से रोकें और उनकी निगरानी करें।
2. सुरक्षित स्थान चुनें: गुड़िया पीटने के लिए सुरक्षित और खुले स्थानों का चयन करें जहां बच्चों के लिए कोई खतरा न हो।
3. बच्चों को शिक्षित करें: बच्चों को पानी के खतरों और सुरक्षा के बारे में शिक्षित करें ताकि वे समझ सकें कि पानी के पास जाने से क्या खतरे हो सकते हैं।
4. आपातकालीन योजना बनाएं: दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन योजना बनाएं और बच्चों को सुरक्षित निकालने के लिए तैयार रहें। 112 अथवा 1077 डायल करें।
5. स्थानीय प्रशासन की मदद लें: स्थानीय प्रशासन और पुलिस की मदद लें ताकि वे इस अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था में मदद कर सकें।

इन सुझावों को अपनाकर हम नागपंचमी के अवसर पर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं और दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं।

पानी में सावधानी, जीवन में खुशहाली

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सुलतानपुर द्वारा जनहित में जारी

एस० सुधाकरन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुलतानपुर

बैरिकेड्स हटाने से बने गड्ढों को तत्काल भरवाएं: नगरायुक्त

कांवड़ यात्रा के दौरान की गयी व्यवस्थाओं पर विभिन्न विभागों के साथ किया मंथन

भारत संवाद

सहारनपुर। स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त शिपू गिरि ने कुम्हार हेड़ा से बड़ी नहर तक कांवड़ यात्रा मार्ग से हटायी गयी बल्लियों (बैरिकेड्स) के स्थान पर बने गड्ढों को सीमेंट से तत्काल भरवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर स्मार्ट सिटी योजना के तहत लगी एलईडी स्क्रीन पर स्पीकर की सुविधा जोड़ने तथा स्क्रीन से राजस्व अर्जित करने के भी निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी सहारनपुर द्वारा संचालित आईसीसीसी (एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र) द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर की गयी विभिन्न विभागीय व्यवस्थाओं की निगरानी की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक में उक्त निर्देश दिए गए। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कांवड़ मार्ग पर विभिन्न विभागों द्वारा जो भी व्यवस्थाएं की गई, उनकी गहन समीक्षा करते हुए संभावित कमियों की पहचान की जाए तथा उन्हें समय रहते दुरुस्त कर लिया जाए, ताकि आगामी वर्षों में इन कमियों को दूर कर संपूर्ण व्यवस्थाएं समुचित व प्रभावी रूप से लागू की जा सकें। आईसीसीसी से प्राप्त मॉनिटरिंग रिपोर्ट में जिन व्यवस्थाओं में कमियां पाई गई, उनके सुधार हेतु संबंधित विभागों को तत्काल कार्यवाही करने को कहा गया। आरसीसी द्वारा कांवड़ रुट पर भरे गए गड्ढों के दौरान फुटपाथ की टूटी टाइल्स की मरम्मत नहीं न करने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए

अखण्ड ज्योति कलश यात्रा का भव्य स्वागत

सहारनपुर। गायत्री तीर्थ शांति कुंज हरिद्वार से चल कर आई अखण्ड ज्योति कलश यात्रा का आज प्राचीन सिद्ध पीठ श्री गौ देवी मंदिर गौशाला नुमाइश कैम्प सहारनपुर में विजयकान्त चैहान भगतसिंह जूनियर संस्थापक वन्देमातरम मिशन के नेतृत्व में फूलों की मशीन के साथ पुष्प वर्षा कर आरती पूजन कर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। यात्रा का नेतृत्व कर रहे समाजसेवी ओम प्रकाश रामपाल, आर.एन. शर्मा ने बताया कि श्रीगायत्री तीर्थ शांति कुंज हरिद्वार में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य राम शर्मा।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्न रेलगाड़ीयाँ यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	प्रस्थान के दिन	फेरों की तिथि	
			से	तक
03251	दानापुर - सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू	रवि. सोम.	03.08.2025	25.08.2025
03252	सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू - दानापुर	मंगल. बुध.	05.08.2025	27.08.2025
03259	दानापुर - सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू	मंगल.	05.08.2025	26.08.2025
03260	सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू - दानापुर	गुरू.	07.08.2025	28.08.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1322/25(D)

निर्देश: जिलाधिकारी ने अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए रोटेशन प्रणाली के दिए निर्देश

डीएम की अध्यक्षता में कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) की बैठक संपन्न

भारत संवाद

अलीगढ़ 2025 (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) के अधिशासी परिषद (गवर्निंग बोर्ड) की बैठक आहुत की गई। डीएम ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों को परपम्परागत खेती-किसानी के साथ ही तकनीकी खेती के क्षेत्र में भी प्रशिक्षित कराने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। सरकार खेती के साथ ही अन्य संबंधित क्षेत्र- पशुपालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन को बढ़ावा देते हुए किसानों को आय को दोगुना करने के लिए कृत संकल्पित है। उप कृषि निदेशक चौधरी अरूण कुमार ने बताया कि आत्मा जिला स्तर पर गठित उन सभी प्रमुख भागीदारों की एक स्वायत्तशासी संस्था है जो कृषि के विकास को स्थायित्व प्रदान करने संबंधी कृषि गतिविधियों में संलग्न हैं। संस्था का उद्देश्य कृषि प्रसार को पुनर्गठित एवं सुदृढ़ कर कृषि प्रोद्यौगिकी एवं शस्य विधियों को किसानों तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा किसान मेले आयोजन के साथ ही फार्म स्कूल के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाता है और प्रगतिशील कृषकों को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भ्रमण व प्रशिक्षण प्रदान कराया जाता है। डीडी श्री चौधरी ने 2024-25 की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि जिला स्तरीय किसान मेला, प्रदर्शनी एवं कृषक-वैज्ञानित संवाद आयोजित करने के साथ ही सभी विकासखण्डों में रबी एवं खरीफ में 01-01 ब्लॉक स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन कराया गया। रबी एवं खरीफ में 36-36 फार्मस्कूल के माध्यम से 25-25 प्रशिक्षार्थी कृषकों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें कृषकों द्वारा करके सीखने व देखकर विश्वास करने पर अमल किया व नवीन कृषि तकनीक अपनाने की प्रेरणा ली। उन्होंने बताया कि कृषक प्रशिक्षण के तहत राज्य के बार 420 मानव दिवस, राज्य के अंदर 990 मानव दिवस, जिले के अंदर 2328 मानव दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी प्रकार कृषक भ्रमण के तहत राज्य से बाहर 370 मानव दिवस, राज्य के अंदर 1920 मानव दिवस व जिले के अंदर 708 मानस दिवस का भ्रमण कराया गया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रसार सुधार आत्म योजनान्तर्गत कृषि, पशुपालन, उद्यान, गन्ना, मत्स्य क्षेत्र के उत्कृष्ठ 16 किसानों को 7000-7000, 16 किसानों को 5000-5000 एवं ब्लॉक स्तर पर 60 किसानों को 2000-2000 रुपए से लाभान्वित किया गया।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं0.05324012522 मो0-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

एस्टर के फूलों की उपयोगिता

एस्टर के फूलों की उपयोगिता कई विभिन्न रूपों में की जाती जैसे
● माला बनाने में एवं धार्मिक कार्यों जैसे – पूजा अर्चना आदि के लिए।
● कटे पुष्पों के रूप में
● फ्लावर एरेन्जमेंट, इकेबाना (पुष्पसज्जा) एवं बुके बनाने में।
● इसे गमलों में शोभाकारी पुष्पीय पौधे के रूप में लगाया जाता है।
● घर के आसपास अथवा उद्यानों में मैसमी फूलों के रूप में।

मनमोहक पुष्प 'एस्टर' लगायें

एस्टर के फूलों की उपयोगिता

एस्टर के फूलों की उपयोगिता कई विभिन्न रूपों में की जाती जैसे

● माला बनाने में एवं धार्मिक कार्यों जैसे – पूजा अर्चना आदि के लिए।

● कटे पुष्पों के रूप में

● फ्लावर एरेन्जमेंट, इकेबाना (पुष्पसज्जा) एवं बुके बनाने में।

● इसे गमलों में शोभाकारी पुष्पीय पौधे के रूप में लगाया जाता है।

● घर के आसपास अथवा उद्यानों में मैसमी फूलों के रूप में।

प्रमुख किस्म

भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा विकसित किस्में –

पूर्णिमा

लोकल सफेद किस्मों की तुलना में इसके पुष्पों चमकीले सफेद होते हैं। बीज बोने के 105 दिन बाद फूल प्राप्त होते हैं। पौधों की ऊंचाई लगभग 50 सेमी. तक होता है तथा फूलों का व्यास लगभग 6 सेमी. होता है।

कामनी

कामनी का पुष्प गहरे रंग का होता है जो लोकल पिंक के अपेक्षा अधिक आकर्षक होता है। बीज बोने के 130–140 दिन बाद फूल प्राप्त होता है। इस किस्म का पौधा लगभग 60 सेमी ऊंचाई तक बढ़ता है। फूलों का व्यास लगभग 6 सेमी. एवं वजन 2 ग्राम प्रतिफूल होता है, तथा प्रति पौधा लगभग 50 फूल तक प्राप्त होता हैं। फूलों का फूलदान जीवन (वासलाइफ) लगभग 7–8 दिन का होता है।

प्रथम खेती की तैयारी के समय तथा दूसरा भाग रोपाई के 40 दिन बाद ऊपरी निवेशन (टाप ड्रेसिंग) के रूप में दी जानी चाहिए, अर्थात् पौधों के पास उर्वरक को डालकर गुड़ाई कर दें अथवा मिट्टी चढ़ा दें।

सिंचाई

एस्टर की फसल में सिंचाई की अवस्था मौसम, मिट्टी की स्थिति एवं फसल लगाने के समय पर निर्भर करता हैं चुके एस्टर एक उथली जड़ वाली फसल है अतः इसे नियमित नमी की आवश्यकता होती है अतः फसल को आवश्यकतानुसार 7 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करना चाहिए।

कटाई एवं उपज

एस्टर के फूलों की कटाई इसकी उपयोगिता पर निर्भर करता हैं फूलों की कटाई दो तरह से की जाती हैं

● सिर्फ फूलों की कटाई माला बनाने, सजावट अथवा पूजा अर्चना के कार्य के लिए किया जाता हैं

● टहनी सहित फूलों की कटाई कट फ्लावर के लिए अथवा बुके में उपयोग लाने के लिए करते हैं।

फूलों की कटाई सुबह अथवा शाम को ही करें। फूलों की कटाई के बाद छायादार स्थान में रखें। तुड़ाई के बाद फूलों को इसके आकार रंग एवं टहनी के हिसाब से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें। फूलों को जूट के वेग अथवा कपड़े में बांध कर जबकि कटफ्लावर के लिए फूलों की टहनियों को 20 की संख्या में गुच्छा बना कर बाजार में ले जाना चाहिए।

अगर उन्नत तरीके से एस्टर की खेती की जाए तो प्रति हेक्टर 180 से 200 क्विंटल तक पुष्प प्राप्त किए जा सकते हैं।

बीज संग्रहण -

एस्टर एक स्वपरागित पौधा है। इसके बीज मुख्य फसल से ही प्राप्त किया जा सकता है एवं प्रतिवर्ष बाजार से खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। अच्छे, ओजस्वी एवं स्वस्थ पौधों के चयन के बाद फूलों को कली अवस्था में ही पतले कपड़े से बांध दें। जब फूल पूरे खिल जाए एवं बीज पक जाए तो फूलों को काट कर इकट्ठा करके बीज निकाल लें। बीज को छायादार स्थान पर सुखाने के बाद अच्छी तरह साफ कर लें। बीजों को एयरटाइट डिब्बे में भर कर ठंडे स्थानों पर भंडारित करें। किस्मों के अनुसार प्रतिग्राम लगभग 450–600 बीज होते हैं।

अन्तःक्रियाएं

निराई- गुड़ाई -

फसल की प्रांरभिक अवस्था में खरपतवार से पौधों की वृद्धि पर काफी असर पड़ता है। अतः नियमित रूप से निंदाई–गुड़ाई करके खरपतवार निकालते रहें। इससे जमीन भुरभुरी बनी रहेगी तथा मिट्टी एवं जड़ों में अच्छा वायु संचार होगा एवं पौधों की अच्छी वृद्धि होगी। पौधों पर कम से कम एक माह के अंतराल पर दो बार मिट्टी चढ़ानी चाहिए। जिससे फसल की वृद्धि अच्छी होती है एवं पौधों को जमीन में अच्छा आधार मिलने से नहीं झुकते।

वृद्धि नियंत्रक

(ग्रोथ हारमोन) का उपयोग – जी.ए–3 नाम हारमोन का 200 से 300 पी.पी.एम. (पी.पी.एम. = 1 भाग दवा + 100000 भाग पानी) घोल का रोपाई के 30–40 दिन बाद छिड़काव करने से फूलों की संख्या एवं पुष्पन अवधि बढ़ जाती है। लेखक द्वारा स्वयं किए गए परीक्षण से ज्ञात हुआ कि 25 पी.पी.एम. पेक्लोब्यूट्राजाल (कुलटार) नाम वृद्धि नियंत्रक का रोपाई के 30 दिन बाद छिड़काव से पौधों में नियंत्रित वृद्धि, अधिक शाखा एवं अधिक संख्या एवं भार के पुष्प प्राप्त हुए।

सोयाबीन के प्रमुख कीट एवं नियंत्रण

तना मक्खी (स्टेम फ्लाई)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर।

प्रकोप का समय : अंकुरण से लगभग 30 से 60 दिनों तक।

पहचान : वयस्क कीट चमकदार काले रंग की लगभग 2 मि.मी. आकार की मक्खी होती हैं। इसकी इल्ली जो तने में, सुरंग बना कर रहती है, फसल को हानि पहंचाती हैं। इसका रंग हल्का पीला एवं लम्बाई 3–4 मि.मी. होती हैं।

नियंत्रण : ■ बोवनी के समय 10 किलोग्राम फोरेट 10 जी को मिट्टी में मिलायें। जिन स्थानों पर तना मक्खी का प्रकोप अधिक होता हैं वहां फफूंदनाशक से बीज उपचारित करने के अलावा बीज को थायोमिथोक्साम 70 डब्ल्यू. एस. से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। कीट के लक्षण दिखने पर अथवा सुरक्षात्मक रूप से फसल की 7–10 दिन की अवस्था पर निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक की दर्शाई गई मात्रा को 500 ली. पानी में घोल बनाकर कोन नोजल से प्रति हेक्टर छिड़काव करें। द्य थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू जी 100 ग्राम प्रति हे. द्य ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. प्रति हे.

■ प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 800 मि. ली. प्रति हे.

सभी दवाओं के लिये 500 ली. प्रति हेक्टर पानी की मात्रा में घोल बनाकर कोन नोजल से छिड़काव करें।

चक्रभृंग (गर्डल बीटल)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर

प्रकोप का समय : फसल की 30 से 75 दिन की अवस्था।

पहचान : वयस्क कीट 8–10 मिमी. गहरे पीले रंग के होते हैं जिनके पंखों का निचला भाग काला होता हैं, इल्लियां पीले रंग की होती हैं एवं उनके शरीर पर छोटे–छोटे उभार होते हैं।

नियंत्रण: ■ घनी बोवनी न करें। प्रारंभिक अवस्था से ही कीट की निगरानी करें। यदि खेत में पौधों की ऊपरी पत्ती मुरझा रही है तो पास जाकर पत्ती के डंठल एवं तने को देखें। यदि गर्डल बीटल द्वारा बनाये गए दो चक्र दिखें तो नीचे के चक्र से एक इंच से डंठल या तने को काट कर पॉलिथिन की थैली में इकट्ठे कर खेत के बाहर जला दें अथवा गड्ढे में गाढ़कर नष्ट कर दें। ■ नत्रजन उर्वरकों का संतुलित उपयोग एवं पोटाश उर्वरक का उपयोग करने से कीट का प्रकोप कम होता है। ■ गर्मी में मोल्ड बोर्ड प्लाऊ (मिट्टी पलट हल) से गहरी जुताई करें। गहरी जुताई के पश्चात मिट्टी के बड़े ढेलों को जून के प्रथम सप्ताह में हल्का पाटा लगाकर तोड़ देना चाहिए तथा जुताई किये हुए खेत में गर्मी की धूप लगने देना चाहिए। ■ कटाई उपरांत जहां तक हो सके फसल को पक्के खलिहान में रखें ताकि यदि फसल में गर्डल बीटल का प्रकोप हो तो उसे छिपने के लिये खेत की दरारें उपलब्ध न हो। द्य बोवनी के समय फोरेट 10 जी10 कि.ग्रा.प्रति हे. की दर से मिट्टी में अवश्य मिलावें। द्य फसल पर प्रकोप दिखते ही ट्राईजोफास 40 ई.सी. की 800 मिली./हे. या प्रोफेनोफास 50 ई.सी. की 1.5 ली. /हे. को 600 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

हरी अर्द्धकुंडलक इल्ली (ग्रीन सेमीलूपर)

सक्रियता : जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त तक।

प्रकोप का समय : फसल की 35–40 दिन की अवस्था तक।

पहचान: वयस्क कीट के अग्र पंखों पर दो रुपहले धब्बे होते हैं इल्लियां पीलापन लिए हरे रंग की होती हैं जिनके शरीर के पृष्ठ तल पर एक नीली लम्बवत रेखा व दोनों ओर एक–एक सफेद धारी होती हैं। खास पहचान इनके कूबड़ बनाकर चलने से होती हैं।

नियंत्रण : ■ इल्ली की प्रारंभिक अवस्था में निम्बोली के चूर्ण का 5 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

■ सोयाबीन फसल के बाहरी किनारों पर ट्रैप क्रॉप जैसे उड़द, मूंग, लोबिया इत्यादि लगाया जाना चाहिए जिससे इस कीट के प्रकोप की दशा में इन्हीं फसलों पर उसका दबाव रहेगा और मुख्य फसल पर दबाव कम रहेगा।

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में ही निम्नलिखित में से किसी एक दवा का छिड़काव करने से कीट का नियंत्रण हो सकता हैं, अतः इस कीट के नियंत्रण हेतु कीट के आक्रमण के शुरू में ही छिड़काव करना चाहिए क्योंकि कीट की बड़ी अवस्था में कीटनाशक दवाओं का असर कम होता हैं अतः कीट का नियंत्रण नहीं हो पाता हैं।

■ क्विनालफास 25 ई.सी. (1.5 लीटर/हे.) या ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. /हेक्टेयर या प्रोफेनाफास 50 ई.सी. 1 ली./हे. या मिथोमिल 40 एस.पी. 1 किलोग्राम/हे. को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करें।

तम्बाकू की इल्ली (टोबैको कैटरपिलर)

सक्रियता : अगस्त से सितम्बर (इस कीट का आक्रमण अगस्त माह में अधिक देखा गया है)।

प्रकोप का समय : फसल की 40–75 दिन की अवस्था तक।

पहचान : वयस्क पतंगों के अगले पंख सुनहरे भूरे रंग के सफेद धारियां लिए होते हैं, पिछले पंखों पर भूरे रंग की शिराएं होती हैं इल्लियां मटमैले हरे रंग की होती हैं, जिनके शरीर पर पीले, हरे, नारंगी, रंग की लम्बवत धारियां होती हैं एवं उदर के प्रत्येक खंड के दोनों ओर काले धब्बे होते हैं।

नियंत्रण : ■ समेकित कीट प्रबंधन अपनायें व खेतों के आस–पास प्रकाश–प्रपंच, फैरोमेन ट्रेप स्थापित कर लगातार मॉनीटरिंग करके वयस्क कीटों को एकत्रित कर उन्हें नष्ट करें।

■ इल्लियां शुरू की छोटी अवस्था में खेत से ऐसी पत्तियों को तोड़कर नष्ट करने से प्रकोप कम किया जा सकता हैं।

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मिली/ हे. या क्विनालफास 25 ई.सी. 1.5 ली. प्रति हेक्टेयर को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।

कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ युद्धविराम की घोषणा की

अमेरिका और चीन ने मध्यस्थता की; जंग में अब तक 30 से ज्यादा मौतें

एजेंसी

बैंकॉक, कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने थाईलैंड के साथ चल रहे सीमा विवाद में युद्धविराम की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए तत्काल लड़ाई रोकने की उम्मीद है। चीन और अमेरिका ने इस सीजफायर में मध्यस्थता की है। दोनों देशों के बीच मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर आज शांति वार्ता हुई। इस बैठक में थाईलैंड की तरफ से कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया की तरफ से प्रधानमंत्री हुन मानेट ने हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने की दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते बीते दिनों में भारी गोलीबारी हुई है। इसमें 33 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में ज्यादातर आम नागरिक शामिल हैं। मलेशिया इस समय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान की अध्यक्षता कर रहा है। उसने दोनों देशों को बातचीत की मेज पर बुलाया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा था कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष को सुलझाना उनके लिए आसान काम है, क्योंकि उन्होंने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच का विवाद भी सुलझाया है। ट्रम्प ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात के दौरान कहा था कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं को चेतावनी दी है कि अगर युद्ध नहीं रुका, तो अमेरिका व्यापारिक समझौता नहीं करेगा। इससे पहले ट्रम्प ने शनिवार को भी दावा किया था कि थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं ने तुरंत सीजफायर वार्ता पर सहमति दे दी है। ट्रम्प ने कहा कि यह वॉर मुझे भारत-पाक संघर्ष की याद दिलाती है, जिसे हमने कामयाबी से रोका था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को स्कॉटलैंड यात्रा के दौरान सोशल मीडिया पर लिखा था कि तीन दिन से जारी सीमा विवाद के बीच उन्होंने दोनों देशों से सीधे बात की और साफ किया कि अगर संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका कोई व्यापार समझौता नहीं करेगा। इधर, थाई प्रधानमंत्री फुमथम ने ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए कहा था कि थाईलैंड सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए कंबोडिया का भी सीरियस होना जरूरी है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष अभी भी जारी है। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने की मांग की है।

इस मीटिंग में थाईलैंड ने कंबोडिया पर सीमावर्ती इलाके में बारूदी सुरंगें बिछने का आरोप लगाया। थाई राजदूत ने कहा कि कंबोडिया ने ही हमले शुरू किए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में बंद कमरे में एक आपात बैठक की। इसमें सभी 15 देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान निकालने की अपील की।

बांग्लादेश प्लेन क्रैश- यूनुस ने भारतीय डॉक्टरों को धन्यवाद दिया

3 देशों की टीम से मिले; कहा- आप सिर्फ स्किल नहीं दिल भी साथ लाए

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने रविवार को भारत, चीन और सिंगापुर के डॉक्टरों की टीमों से मुलाकात की। उन्होंने ढाका प्लेन क्रैश में घायल हुए लोगों की मदद के लिए डॉक्टरों का धन्यवाद दिया। यूनुस ने कहा कि ये टीमें सिर्फ अपनी स्किल्स नहीं, दिल भी साथ लेकर आई हैं। यह मुलाकात स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में हुई। यूनुस से मिलने वाले डेलीगेशन में 21 डॉक्टर और नर्स शामिल थीं। ये टीम ढाका में प्लेन क्रैश के पीड़ितों का इलाज कर रही हैं। इनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे हैं। राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया। हादसे में विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम मारे गए। एफ-7बीजीआई बांग्लादेश एयरफोर्स (बीएएफ) का मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह चीन के चेंगदू जे-7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के एमआईजी-21 की तर्ज पर बनाया गया था। बीएएफ ने 2011 से 2013 के बीच यह फाइटर खरीदा था। इसे थंडरकैट स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था। यह फाइटर एयर डिफेंस, ग्राउंड अटैक और समुद्री इलाकों में हमले जैसी कई भूमिकाओं में काम आता है। इस फाइटर जेट में 2 तोपों के साथ 7 हथियार लगाने वाले पॉइंट हैं। इन पर 3 हजार किलोग्राम तक की मिसाइलें और बम लगाए जा सकते हैं। यह पीएल-5 और पीएल-9 मिसाइल, लेजर गाइडेड बम और सी-704 एंटी-शिप मिसाइल से लैस हो सकता है। सोमवार की जेट दुर्घटना 1984 के बाद बांग्लादेश में हुई सबसे घातक दुर्घटना थी। 1984 में, चटगांव से ढाका के लिए उड़ान भरने वाला एक यात्री जेट विमान तूफान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी 49 लोग मारे गए थे।

गाजा में भुखमरी पर पहली बार बोले ट्रम्प

कहा- तस्वीरें बहुत भयावह, इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा; नेतन्याहू बोले- कोई भुखमरी नहीं

एजेंसी

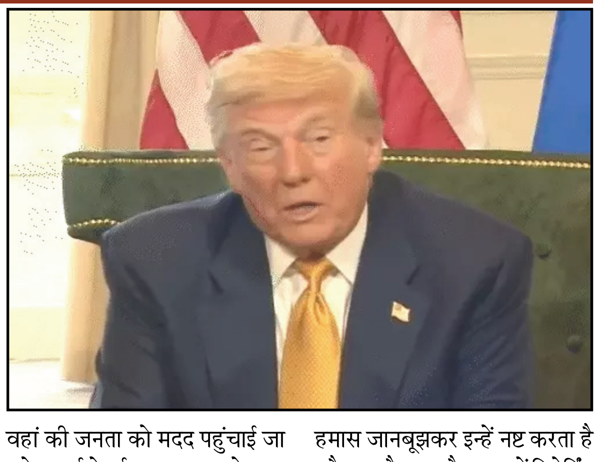

एडिनबरा/तेल अवीव, गाजा में जंग से फैली भुखमरी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहली बार बयान दिया है। स्कॉटलैंड के दौरे पर गए ट्रम्प ने गाजा से सामने आ रही भूख से जूझते बच्चों की तस्वीरें बेहद भयानक बताया हैं। उन्होंने कहा कि अब इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा। ट्रम्प ने हमास पर आम लोगों का खाना चुराने का आरोप भी लगाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने गाजा मेनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) को 60 मिलियन डॉलर दिए, जबकि किसी और देश ने कुछ नहीं दिया। हालांकि हकीकत में अमेरिका ने 30 मिलियन डॉलर की ही मदद की है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में भुखमरी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गाजा में न तो कोई भुखमरी है और न ही हमारा ऐसा कोई मकसद है। उन्होंने एक ईसाई सम्मेलन में कहा कि अगर हम मदद नहीं करते तो आज गाजा में कोई नहीं बचता। इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को 6 महीने में पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। इजराइली सेना आईडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाई जा सके। मार्च से मई तक इजराइल ने गाजा में बाहरी सहायता पर रोक लगा दी थी। अब इजराइल का कहना है कि वह यूएन की सहायता वितरण में रुकावट नहीं डाल रहा। गाजा में इजराइल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, जिनमें 16 बच्चे हैं। नेतन्याहू ने हमास पर अनाज की लूट का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमास लोगों को दिए जा रहे अनाज को लूटकर उसे खुद इस्तेमाल करता है और फिर इजराइल पर कमी के आरोप लगाता है। उन्होंने वठ और अन्य एजेंसियों को भी निशाने पर लिया। इजराइली सेना (आईडीएफ) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि इजराइल ही गाजा में भुखमरी रोकने की कोशिश कर रहा है। डेफ्रिन ने बताया कि हम सहायता के लिए सुरक्षित कॉरिडोर बना रहे हैं। हमास जानबूझकर इन्हें नष्ट करता है और झूठ फैलाता है। गाजा में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों ने बताया कि वहां 50 ग्राम के बिस्किट के पैकेट की कीमत 750 रुपए है। नकद पैसे निकालने के लिए 45% तक कमीशन देना पड़ता है। हालात इतने खराब हैं कि लोग नमक खाकर और पानी पीकर काम चला रहे हैं। एक पत्रकार ने बताया कि 21 महीने में मेरा वजन 30 किलो घट गया है। थकान बनी रहती है और चक्कर आते रहते हैं। दक्षिणी गाजा के नासिर अस्पताल में काम करने वाले एक हेल्थ अधिकारी का कहना है कि गाजा में सभी भुखमरी के संकट से जूझ रहे हैं। कुपोषण से मरने वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

उनका कहना है कि गाजा में जब युद्ध शुरू हुआ तो अस्पताल से सबसे ज्यादा संख्या हवाई हमलों में घायल होने वाले लोगों की होती थी, लेकिन अब उनकी जगह कुपोषण के शिकार बच्चों ने ले ली है।

थाईलैंड के बैंकॉक में बुजुर्ग ने लोगों पर फायरिंग की

6 की मौत, 3 घायल; हमलावर ने खुद को भी गोली मारी

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक फूड मार्केट में 61 वर्षीय शख्स ने अंधाधुंध फायरिंग कर कम से कम छह लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली। फायरिंग में 3 लोग घायल भी हुए हैं। घटना सोमवार को बैंकॉक के मशहूर ऑर टॉ कॉर मार्केट में हुई। यह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। पुलिस के मुताबिक हमलावर की पहचान मिस्टर नोई के नाम से हुई है। वह मौके पर ही मृत पाया गया। बैंकॉक के बंग सू जिले के डिप्टी पुलिस चीफ वोरापत सुकथाई ने बताया कि फिलहाल इसे मास शूटिंग माना जा रहा है। हमलावर की मंशा की जांच हो रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस गोलीबारी का थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर चल रही झड़पों से कोई संबंध है।

ऑस्ट्रिया के ग्राज शहर में 10 जून को एक हाई स्कूल में फायरिंग की घटना हुई थी। इसमें 10 लोग मारे गए थे, जबकि 28 घायल हुए थे। ऑस्ट्रियाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे बोर्ग ड्रेयर्सचुटजेनगैस हाई स्कूल के अंदर गोलियों की आवाजें सुनी गईं। इसके तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

बिहार में वोटर लिस्ट ड्राफ्ट का होगा प्रकाशन

चुनाव आयोग को आधार और ईपीआईसी जोड़ने की सलाह

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भले ही गणना प्रपत्र संबंधित दस्तावेजों के साथ अपलोड नहीं किए गए होंर, भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) आपत्तियों के साथ नाम डाल देगा. शीर्ष अदालत ने याचिकाकताओं को आश्वासन दिया कि वह उनसे सहमत होते ही सब कुछ रद्द कर सकता है. दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को मामले की अंतिम सुनवाई के लिए समय निर्धारित करेगी.

एजेंसी

नई दिल्लीः बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई. सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के ड्राफ्ट के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार करते हुए, चुनाव आयोग से फिर कहा कि वह एसआईआर के दौरान मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र को स्वीकार्य दस्तावेजों में शामिल करने पर विचार करे.

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर एक बार फिर फैसला सुनाएगी. सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है. साथ ही, उसने आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखने के आधार पर भी सवाल उठाया. पीठ ने चुनाव आयोग से आधार और ईपीआईसी को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल करने को कहा. पीठ ने कहा, ₹कल आप न केवल आधार देखेंगे, बल्कि 11 में से 11 फर्जी भी हो सकते हैं. यह एक अलग मुद्दा है. लेकिन हम बड़े पैमाने पर बहिष्कार कर रहे हैं. इसे बड़े पैमाने पर शामिल किया जाना चाहिए. चुनाव आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि राशन कार्डों से संबंधित समस्याएं हैं और ईपीआईसी भी निर्णायक नहीं हो सकता. पीठ ने पूछा, ₹मान लीजिए कोई व्यक्ति आधार के साथ फॉर्म अपलोड करता है, तो आप उसे ड्राफ्ट में क्यों शामिल नहीं करेंगे ?₹ चुनाव आयोग के वकील ने जोर देकर कहा कि उनका मुवक्किल आधार स्वीकार कर रहा है, लेकिन एक सहायक दस्तावेज के साथ.

याचिकाकताओं के एक अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने पीठ से चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की अनुमति न देने का आग्रह किया. बताया कि अंतिम रूप देने की अंतिम तिथि 1 अगस्त है. न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि आपकी प्रार्थना बिल्कुल स्पष्ट है कि आप अंतरिम रोक की मांग नहीं कर रहे हैं.

बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव में हुआ मंदिर बड़ा हादसा

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव मंदिर के बाहर सोमवार तड़के मची भगदड़ में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बिजली का तार टिन शेड पर गिर गया, जिससे कई लोगों को करंट लग गया।

भगदड़ से 2 की जान गई, 32 लोग घायल

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव मंदिर के बाहर सोमवार तड़के मची भगदड़ में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बिजली का तार टिन शेड पर गिर गया, जिससे कई लोगों को करंट लग गया। सावन के तीसरे सोमवार को दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े थे। मृतकों में से एक की पहचान लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गाँव के 22 वर्षीय प्रशांत के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। दोनों की त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सावन के सोमवार को अवसानेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बिजली का तार टूटकर गिर गया, जिससे वहां टीन शेड में करंट आ गया और लोग घबरा गए। उसने बताया कि इसी से मंदिर परिसर में भगदड़ मच गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में कम से कम 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें से दो की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गांव निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य 30 वर्षीय श्रद्धालु की त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर की ओर जाने वाले सीढ़ी मार्ग पर मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत के एक दिन बाद हुई है। पुलिस के अनुसार बिजली का करंट फैलने की अफवाह के कारण लोग दहशत में आ गए जिसके बाद भगदड़ मच गई। अधिकारियों ने बताया कि सीएचसी में कुल 10 घायलों को लाया गया, जिनमें से पांच को हालत गंभीर होने के कारण उच्च स्तरीय केंद्र रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हैदरगढ़ सीएचसी में 26 घायलों को भर्ती कराया गया जिनमें से एक को गंभीर स्थिति में किसी अन्य अस्पताल में रेफर किया गया है। हादसे के बाद मंदिर परिसर और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने की कोशिश की। इस मामले में जांच जारी है।

स्टालिन सरकार ने केंद्र से की शिक्षा योजना के तहत फंड जारी करने की मांग

पीएम मोदी को सौंपा ज्ञापन

अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार 2018 से समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे शैक्षिक परिणामों में लगातार सुधार हुआ है। हालाँकि, उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय धनराशि जारी करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूरी तरह से अपनाना एक पूर्व शर्त बना दिया है। उन्होंने दोहराया कि राज्य को एनईपी के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से त्रिभाषा नीति को लागू करने और स्कूली शिक्षा को 5+3+3+4 प्रारूप में पुनर्गठित करने, पर कानूनी और नीतिगत आपत्तियाँ हैं।

एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक याचिका सौंपी, जिसमें लंबित शिक्षा निधि में से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि तत्काल जारी करने और राज्य भर में लंबे समय से लंबित रेलवे परियोजनाओं के कार्यान्वयन का आग्रह किया गया। यह अपील राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारासु के माध्यम से प्रधानमंत्री की दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा के दौरान की गई, जहाँ उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राजेंद्र चोझान के सम्मान में एक स्मारक सिक्के का अनावरण किया। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार 2018 से समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे शैक्षिक परिणामों में लगातार सुधार हुआ है। हालाँकि, उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय धनराशि जारी करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूरी तरह से अपनाना एक पूर्व शर्त बना दिया है। उन्होंने दोहराया कि राज्य को एनईपी के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से त्रिभाषा नीति को लागू करने और स्कूली शिक्षा को 5+3+3+4 प्रारूप में पुनर्गठित करने, पर कानूनी और नीतिगत आपत्तियाँ हैं।

महाकाल की निकली सवारी, 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

इससे पहले सवारी शुरू पर पूर्व मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद पालकी में विराजित भगवान को मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल ने सलामी दी। सवारी में घुड़सवार पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड के जवान, भजन मंडली, झांझ मंडली व पुलिस बैंड भी शामिल रहे।

उज्जैन में चंद्रमौलेश्वर, मनमहेश और शिव-तांडव स्वरूप में दर्शन; मंदसौर में पशुपतिनाथ ने जाना प्रजा का हाल

एजेंसी

उज्जैन , श्रावण मास के तीसरे सोमवार को उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। विनायक चतुर्थी होने के कारण भगवान महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। उज्जैन के साथ प्रदेश के अन्य शहरों में भक्त बाबा भोलेनाथ का पूजन-अभिषेक करने पहुंचे। उज्जैन में शाम को महाकाल की तीसरी सवारी मंदिर से निकली। इसमें भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर पालकी में विराजित हुए, जबकि भगवान श्री मनमहेश को हाथी पर और श्री शिव-तांडव की प्रतिमा को गरूड़ रथ पर विराजित किया गया।

सवारी शिप्रा घाट पर पहुंची। यहां भगवान का पूजन किया गया। इसके बाद सवारी वापस मंदिर पहुंची। इससे पहले सवारी शुरू पर पूर्व मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद पालकी में विराजित भगवान को मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल ने सलामी दी। सवारी में घुड़सवार पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड के जवान, भजन मंडली, झांझ मंडली व पुलिस बैंड भी शामिल रहे। इधर, मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ शाही पालकी में सवार हुए। अकोदिया में 100 से अधिक महिलाओं ने अपने घर में बर्फ जमाकर छोटे-छोटे शिवलिंग बनाए। एक बड़ा शिवलिंग भी बर्फ से बनाया गया। बाबा अमरनाथ की तरह बर्फ के ज्योतिर्लिंग की पूजा की गई। बाबा ओंकार को मेवा प्रसादी का भोगवहीं, खंडवा में भगवान ओंकारेश्वर का नर्मदा जल से अभिषेक किया गया। विशेष श्रृंगार के बाद गुलाब के फूल, बिल्व पत्र चढ़ाए गए। मंगला आरती के दौरान बाबा ओंकार को मेवा प्रसादी का भोग लगाया। रायसेन में भोजेश्वर महादेव को 5 क्विंटल फूल, धतूरे, बिल्व पत्र और आम के पत्तों के साथ नागेश्वर स्वरूप में सजाया गया है। टीकमगढ़ के शिव धाम, कुंडेश्वर में सवा किलो भांग से शिव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। शाम को महाआरती की गई। सीहोर के कुबेरेश्वर महादेव के दर्शन के लिए लोग बारिश में भीगते पहुंचे।